सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 100 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 22 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गणतंत्र दिवस से पहले हाई अलर्ट पर दिल्ली, अलकायदा आतंकी की तस्वीर जारी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस से पहले आतंकी खतरे की आशंकाओं के बीच दिल्ली पुलिस ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। पुलिस ने अल-कायदा इन इंडियन सबकॉण्टिनेंट से जुड़े आतंकी मोहम्मद रेहान का पोस्टर जारी किया है। रेहान दिल्ली का रहने वाला है और लंबे समय से वांछित है। कर्तव्य पथ समेत पूरे जिले में अत्याधुनिक और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। तैनाती की गई है। पूरे इलाके को सीसीटीवी नेटवर्क से कवर किया गया है, जिन्हें अत्याधुनिक फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से जोड़ा गया है।

लाल किला हमलाः अशफाक को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। 2000 के बहुचर्चित लाल किला आतंकी हमले में दोषी मोहम्मद आरिफउर्फअशफाक से जुड़े मामले में एक बार फिर कानूनी हलचल तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उसकी क्यूरेटिव याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। इससे पहले उसकी पुनर्विचार याचिका और क्यूरेटिव याचिका दोनों ही खारिज हो चुकी थीं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य हालिया फैसले के चलते अशफाक को एक बार फिर सुनवाई का मौका मिला है। अशफाक लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी और पाकिस्तानी नागरिक है। 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई थी। उसने राष्ट्रपति के पास दया याचिका भी लगाई थी, लेकिन वहां से भी उसे कोई राहत नहीं मिली थी।

पूजा-पाठ से बीमार मां के इलाज का झांसा देकर ठगी

भिलाई। अंधविश्वास और मां की बीमारी का डर दिखाकर ठगों ने एक साइकिल दुकानदार को अपने जाल में फंसा लिया। पूजा-पाठ और देवी आराधना के नाम पर आरोपी पहले भरोसा जीतते रहे और फिर मौका पाते ही सोने के कंगन और लाखों रुपए नकद लेकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला दुर्ग जिले के छावनी थाना क्षेत्र का है। पीड़ित सदानी नगर सिंधी कॉलोनी, स्टेशन रोड दुर्ग का निवासी है और धमधा नाका दुर्ग में संजय साइकिल स्टोर्स नाम से दुकान चलाता है। करीब 15 दिन पहले दो लोग उसकी दुकान पर साइकिल देखने के बहाने पहुंचे। सामान्य बातचीत के दौरान उन्होंने उसका मोबाइल नंबर लिया और अपना नाम राजू बताते हुए संपर्क में बने रहे।

विदेशी निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी

रायपुर। राजधानी रायपुर में निवेश से जुड़ा एक बड़ा धोखाधड़ी का मामला उजागर हुआ है, जहां सराफा कारोबार से जुड़े लोगों को विदेश में सोने की खदान में हिस्सेदारी का झांसा देकर करोड़ों रुपये ठग लिए गए। ठगी का शिकार हुए समर्थ बरडिया और मुकुल चोपड़ा ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे मामले में सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र के यश शाह नामक युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ के आसमान में हजारों अबाबिल पंक्षियों का झुंड, हवा में खाने व सोने में माहिर

आरंग में महानदी पुल के नीचे बनाया आशियाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अबाबिल पक्षियां हजारों की संख्या में इन दिनों छत्तीसगढ़ की हवा में विचरण कर रहे हैं। हजारों किलोमीटर की उड़ान के बाद रायपुर पहुंचे पक्षियों ने आरंग के कुकरा गांव में महानदी मुख्य नहर पर बने पुल के नीचे अपना स्थायी ठिकाना बनाया है।

हवा में खाने और सोने में माहिर अबाबिल अपनी विशेषओं के कारण विश्वभर के पक्षी प्रेमियों के लिए खास होता है। नेचर एक्सपर्ट ने इसके यूरोप या भारत के हिमाचल प्रदेश से छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना जताई है। एक्सपर्ट के मुताबिक, इस पक्षी की खासियत है कि ये हवा में उड़ते उड़ते ही खाना भी लेते है और आराम से सो भी जाते है। अबाबील की खासियत केवल इसकी रफ्तार ही नहीं, बल्कि इसकी जीवनशैली भी है। सुबह एक साथ अपने बसेरे से निकलते है और सूर्यास्त के पहले अपने ठिकाने पर लौट आते हैं। हजारों की संख्या में यह पक्षी छोटे-छोटे झुंड में भी बट जाते हैं। रायपुर में लोग इन पक्षियों को देख इनकी तस्वीरें ले रहे हैं।

बिल्डिंग या पुल के नीचे बनाते है ठिकाना

घोंसला निर्माण के मामले में भी अबाबील बेहद अनोखी है। पुराने मकान, महल, खंडहर, मस्जिद, मंदिर, गुफाएं या ओवरब्रिज के नीचे ये घोंसले समूह में बनाए जाते हैं। एक ही जगह सैकड़ों छोटे-छोटे घोंसलों की कॉलोनी विकसित हो जाती है, जो देखने में बेहद आकर्षक लगती है।अबाबील जिसे स्वेल्लो और स्विफ्ट के नाम से भी जाना जाता है, आकार में गौरैया जैसी लेकिन क्षमताओं में उससे कहीं आगे मानी जाती है। यह खूबसूरत देशी-प्रवासी पक्षी अपनी तेज उड़ान और सामूहिक जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध है। अबाबिल नर और मादा में आपसी साझेदारी और सहयोग की भावना होती है।

रायपुर में कल से कमिश्नर सिस्टम, सरकार ने जारी की अधिसूचना, दो पुलिस जिले बने

नगरीय क्षेत्र के 21 थाने कमिश्नर के अंडर और ग्रामीण क्षेत्र में 12 थाने संभालेंगे एसपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 23 जनवरी से पुलिस कमिश्नरी सिस्टम लागू हो जाएगा। बढ़ती आबादी व कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने राज्य सरकार ने पुलिस कमिश्नरी सिस्टम लागू करने का फैसला किया जो कि शुक्रवार 23 जनवरी से लागू हो जाएगा। इसके लिए सरकार ने बुधवार शाम को अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना में रायपुर जिले के दो पुलिस जिलों में बांटा गया। शहरी और ग्रामीण इलाकों को अलग अलग किया गया।

जारी अधिसूचना के अनुसार रायपुर जिले में नगरीय क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्र को अलग अलग बांटा गया है। नगरीय क्षेत्र के 21 थानों को पुलिस आयुक्त यानी कमिश्नर ऑफ पोलिस के अंडर किया गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के 12 थानों को पुलिस अधीक्षक यानी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस संभालेंगे। सरकार ने पूरे जिले में कमिश्नरी सिस्टम लागू करने के बजाय केवल नगरीय क्षेत्र के थानों को शामिल किया है। यह पैटर्न मध्यप्रदेश के भोपाल व इंदौर में लागू किया गया। इस सिस्टम के फेल होने पर पूरे इंदौर में कमिश्नरी सिस्टम को अप्रूव किया गया।

रायपुर कमिश्नर सिस्टम के तहत यह थाने शामिल

रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम लागू होने के बाद शहरी क्षेत्र के थाने शामिल होंगे। इनमें सिविल लाइन, देवेंद्र नगर, तेलीबांधा, कोतवाली, गंज, मौदहापारा, गोल बाजार, पुरानी बस्ती, डीडी नगर, आमानाका, आजाद चौक, सरस्वती नगर, कबीर नगर, राजेंद्र नगर, मुजगहन, टिकरापारा, उरला (नगर पालिक निगम बीरगांव के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र), खमतराई, गुढ़ियारी, पंडरी व खम्हारडीह थाने शामिल होंगे। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक के तहत शामिल ग्रामीण क्षेत्र के थानों में विधानसभा, धरसींवा, खरोरा, तिल्दा नेवरा, माना, मंदिर हसौद, आरंग, नवा रायपुर, राखी, अभनपुर, गोबरा नवापारा व उरला (नगर पालिक निगम बीरगांव के बाहर वाला क्षेत्र) शामिल होंगे।

पुलिस कमिश्नर सिस्टम

पुलिस कमिश्नर को भारतीय न्याय संहिता के तहत मजिस्ट्रेट की शक्तियां मिलती हैं। कानून-व्यवस्था से जुड़े फैसले सीधे पुलिस स्तर पर लिए जा सकते हैं इससे कलेक्टर का वर्कलोड कम हो जाएगा। पुलिस कमिश्नर के पास तत्काल कार्रवाई से लेकर शांति भंग की आशंका के दौरान सीधी कार्रवाई का अधिकार होता है। पुलिस के पास खुद गुंडा एक्ट लगाने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लागू करने का अधिकार भी होता है।

पूरे जिले में लागू किए जाने की थी चर्चा

पुलिस कमिश्नरी सिस्टम लागू होने से पहले चर्चा थी कि इसे पूरे जिले में लागू किया जाएगा। एक दिन पहले हुई कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होनी थी। बताया जा रहा है आईएएस लॉबी इसके विरोध में थी जिसके कारण इस पर चर्चा नहीं हो सकी। बाद में लॉबी भोपाल और इंदौर मॉडल की तर्ज पर कमिश्नरेट सिस्टम लागू करने पर सहमत हो गई। उसी केआधार पर सिस्टम को लागू किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ का जवान लापता

छुट्टी से लौटने के बाद पंजाब से लापता, थाने में शिकायत दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के सिहावा थाना क्षेत्र, ग्राम भीतररास निवासी आर्मी के जवान सत्येंद्र शांडिल्य लापता हो गए हैं। पंजाब के जालंधर में पदस्थ सत्येन्द्र छुट्टी पर अपने गांव आए थे। छुट्टी समाप्त होने पर 21 दिसंबर 2025 को वे अपनी ड्यूटी पर लौटने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वे न तो जालंधर पहुंचे और न ही अपने यूनिट में रिपोर्ट किया। सेना के अधिकारियों द्वारा घर पर फोन कर सत्येंद्र के ड्यूटी पर न पहुंचने की सूचना दिए जाने के बाद परिजनों के होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल सिहावा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जवान की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, जवान का नाम सत्येंद्र शांडिल्य (30) है। जो कि ग्राम भीतररास का रहने वाला है। वह 21 दिसंबर अमृतसर एक्सप्रेस से अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए रवाना हुआ था। लेकिन

2-3 दिनों के बाद जवान निर्धारित समय पर जालंधर स्थित अपनी यूनिट में नहीं पहुंचा। इसके बाद सेना के अधिकारियों ने जवान के परिजनों को कॉल कर जानकारी दी कि जवान अभी तक यूनिट में नहीं पहुंचा।

घबराए परिजन फौरन सिहावा थाने पहुंचे और गुमशुदगी दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जवान के तलाश में जुट गई है। इस संबंध में एडिशनल एसपी शैलेंद्र पांडे ने बताया कि पुलिस ने जवान की लोकेशन की जांच करवाई, जिसके अनुसार उसका आखिरी लोकेशन पंजाब में ही दिख रहा है। जवान की तलाश के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

धार भोजशाला में सुप्रीम कोर्ट ने दी प्रार्थना व नमाज दोनों को अनुमति

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बसंत पंचमी के दिन धार में विवादित भोजशाला में सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को प्रार्थना करने की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को भी शुक्रवार के दिन दोपहर 1 बजे से लेकर 3 बजे तक नमाज पढ़ने की इजाजत दी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि वे आपसी सम्मान और सहयोग बरकरार रखें। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य और जिला प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत,

जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि कल दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की संख्या जिला प्रशासन को बता दी जाए, पीठ ने कहा कि ये संख्या जिला प्रशासन को आज ही बता दी जाए।

दरअसल हिंदू पक्ष ने 20 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें मांग की गई है कि बसंत पंचमी के पूरे दिन धार भोजशाला में अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति दी जाए। बसंत पंचमी इस साल शुक्रवार के दिन पड़ रही है और शुक्रवार को मुस्लिम समाज के लोग धार भोजशाला में जुमे की नमाज पढ़ते हैं। यही वजह है कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ सुनवाई की।

उत्तर-मध्य छत्तीसगढ़ में 48 घंटों में ठंड बढ़ेगी, 1 से 2 डिग्री गिरेगा तापमार्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटों के दौरान उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ में अगले चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। पिछले 24 घंटों की बात करें तो प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री दुर्ग में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण छत्तीसगढ़ में ठंडी हवाएं पहुंच रही हैं, जिसके कारण मौसम बदल रहा।

प्राण प्रतिष्ठा के दो साल पूरे होने पर रामलला को 286 किलो का भव्य स्वर्ण कोदंड भेंट

अयोध्या। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को दो वर्ष पूरे हो गए हैं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से राम मंदिर में देशभर से श्रद्धालुओं की ओर से भेंट किए जा रहे अनुपम उपहारों की श्रृंखला लगातार जारी है। इसी कड़ी में रामलला के लिए अद्वितीय भेंट अयोध्या लाई गयी है

जिसे कारसेवक पुरम में रखा गया। इसके बाद राम मंदिर ट्रस्ट को सौंप दिया गया। यह अनमोल भेंट पंचधातु से निर्मित 286 किलोग्राम वजनी भव्य धनुष 'स्वर्ण कोदंड' है। ओडिशा के राउरकेला से तीन जनवरी 2026 को इस कोदंड की भव्य शोभायात्रा अयोध्या के लिए रवाना हुई। इसे सनातन जागरण मंच की ओर से आयोजित किया गया है।

भाटापारा में प्लांट हादसाः क्लिनिकल फर्नेस के दौरान ब्लास्ट, छह मजदूरों की मौत, पांच घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार भाटापारा जिले के बलौदाबाजार में इस्पात संयंत्र में गुरुवार को बड़ा हादसा हुआ। क्लिनिकल फर्नेस के दौरान ब्लास्ट होने में छह मजदूरों की मौत हो गई है। वहीं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

घायलों को पहले भाटापारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। फिर प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया। यह घटना भाटापारा ग्रामीण थाने क्षेत्र के ग्राम बकुलाही स्थित प्लांट की है।

पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में लगी है। हादसे की सूचना पर बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी समेत पुलिस बल के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे में छह लोगों की मौत हुई है और पांच घायल हुए हैं। हादसे में मोटाज अंसारी,सराफत अंसारी, साबिर अंसारी, कल्पू भुइया और रामू भुइया घायल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल राहत कार्य तेज करने और नि:पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

आबकारी उप निरीक्षक की पद स्थापना निरस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा 2024 में चयनित आबकारी उप निरीक्षक की पद स्थापना निरस्त कर दी गई है। अपर आयुक्त ने एक आदेश जारी कर कहा है कि तकनीकी कारणों से तत्काल प्रभाव से आबकारी स्ढ्ढ की पद स्थापना निरस्त की जाती है। बता दें कि यह परीक्षा साल 2024 में आयोजित की गई थी। जिसमें 85 अभ्यर्थियों को आबकारी उप निरीक्षक पद पर नियुक्ति मिली थी। जिसे निरस्त कर दिया गया है।

अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेले से बैन करने की चेतावनी

प्रशसन ने कहा- जवाब दें नहीं तो माघ मेले से बैन कर देंगे

प्रयागराज। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। 48 घंटे के अंदर प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस भेजा है। इसमें मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़ने और जबरन भीड़ में पालकी घुसाने को लेकर सवाल किए हैं। पूछा है कि क्यों न आपको हमेशा के लिए माघ मेले से बैन कर दिया जाए।

दूसरे नोटिस में अविमुक्तेश्वरानंद से 2 सवाल किए गए। मौनी अमावस्या

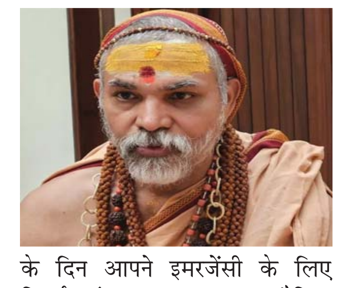

के दिन आपने इमरजेंसी के लिए रिजर्व पांटून पुल पर लगा बैरियर तोड़ा। बिना अनुमति के बग्घी के साथ संगम जाने की कोशिश की। इससे भगदड़ का खतरा पैदा हो गया। आपके चलते सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हुआ। श्रद्धालुओं को वापस भेजने में दिक्कत हुई। आपके कृत्य से व्यवस्था छिन्न-भिन्न हुई। आपने खुद को शंकराचार्य बताते हुए मेले में बोर्ड लगाए हैं। जबकि आधिकारिक रूप से आपके शंकराचार्य होने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक है। अगर 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संस्था को दी गई जमीन और सुविधाएं रद्द की जा सकती हैं।

बता दें 18 जनवरी को मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका और पैदल जाने को कहा। विरोध करने पर शिष्यों से धक्का-मुक्की हुई। इससे नाराज अविमुक्तेश्वरानंद शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए थे। इसके बाद से प्रशासन व अविमुक्तेश्वरानंद के बीच तनातनी चल रही है।

शादी का झांसा देकर किया गया बलात्कार

दो वयस्कों के बीच में बना प्रेम अथवा शारीरिक संबंध पूरी तरह से उनकी इच्छा पर निर्भर करता है। यदि लंबे समय तक ऐसे संबंध बने रहते हैं और फिर किसी कारण से शादी नहीं हो पाती तो इसे शादी का झांसा देकर किया गया बलात्कार नहीं कहा जा सकता। इस मामले में पटना हाईकोर्ट की राय सामने आई है। कोर्ट ने माना है कि ऐसे मामलों को शादी का झांसा देकर बनाया गया यौन संबंध अथवा बलात्कार की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। न्यायाधीश सोनी श्रीवास्तव की एकलपीठ ने आईपीसी की धारा 376 के तहत दर्ज मुकदमे को निराधार और प्रक्रिया का दुरुपयोग मानते हुए सत्र न्यायालय के आदेश को खारिज कर दिया। मामला भागलपुर जिले के जगदीशपुर थाना का था। आरोप था कि अभियुक्त ने विवाह का झांसा देकर लगभग एक वर्ष तक शारीरिक संबंध बनाए। अभियुक्त की ओर से दलील दी गई कि दोनों बालिग थे और संबंध सहमति से थे। अदालत ने कहा कि पीड़िता के बयान, चिकित्सकीय रिपोर्ट और अन्य सामग्री से यह स्पष्ट नहीं होता कि प्रारंभ से ही विवाह का कोई झूठा वादा किया गया था। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि झूठा वादा और विवाह का पूरा न हो पाना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। यदि परिस्थितिवश विवाह नहीं हो सका, तो मात्र इसी आधार पर दुष्कर्म का अपराध नहीं बनता। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि सहमति से बने संबंधों के विफल हो जाने पर उन्हें आपराधिक रंग देना स्वीकार्य नहीं है। न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि धारा 376 के आवश्यक तत्व इस मामले में प्रथम दृष्टया अनुपस्थित हैं। परिणामस्वरूप, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा डिस्चार्ज याचिका खारिज करने का आदेश रद्द करते हुए पूरी आपराधिक कार्यवाही समाप्त कर दी गई। इस फैसले को नजीर मानते हुए कहा जा सकता है कि देश की अदालतों में दाखिल झांसा देकर बलात्कार के अधिकांश मामले खारिज किये जाने योग्य हैं। दरअसल, इन धाराओं का इस्तेमाल कई महिलाएं पुरुषों पर दबाव बनाने तथा उनका भयादोहन करने के लिए कर रही हैं। ऐसे मामलों का पटाक्षेप जरूरी है।

महासमुंद में बाल क्रूरता मामले में आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा की त्वरित एवं सख्त कार्रवाई के चलते महासमुंद जिले में एक बच्चे के साथ क्रूरता के गंभीर मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित हुई है। जिले के एक गांव में समाज के एक रसूखदार परिवार द्वारा एक बच्चे को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटने की सूचना आयोग को मिली थी। बच्चे पर 600 रुपये की चोरी का झूठा आरोप लगाया गया जो जांच में असत्य पाया गया। आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने परिवार से भेंट कर विस्तृत जांच की। जांच में यह भी सामने आया कि बच्चे के साथ मारपीट के बाद उसके पिता को भी प्रताड़ित किया गया, जिससे आहत होकर पिता ने आत्महत्या कर ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. शर्मा ने तत्काल पुलिस महानिदेशक से समन्वय कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय

दोस्ती की लिखावट

आपसी जुड़ाव व लेखन कला निखार की पहल

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है—जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

> “ सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्ज़रलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया स्क्रॉल करते बच्चे न केवल रचनात्मक लेखन से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अपने दोस्तों से भी कटते जा रहे हैं, जिसका असर उनकी याददाश्त व सृजन क्षमता पर भी पड़ रहा है। एक समय था बच्चे डायरी लेखन व स्कूलों में कविता व लेख लिखने को खासे उत्सुक होते थे। दोस्तों के साथ खेल के मैदान और घर पर खेलना उन्हें शारीरिक व मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखता था। लेकिन आज बच्चे ऑनलाइन खेलों में इतने मस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने असली दोस्तों का ख्याल ही नहीं रहता। वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, आज शारीरिक सक्रियता के अभाव के कारण बच्चे छोटी उम्र में ही वयस्कों जैसे रोगों के शिकार होते जा रहे हैं। ये रोग शारीरिक भी हैं और मानसिक भी हैं। छात्र अपना बचपन स्वाभाविक रूप से नहीं जी पा रहे हैं। सही मायनों में वे समय से पहले वयस्क होते जा रहे हैं। एक समय बच्चों की लेखन क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता था। परीक्षा में बाकायदा सुंदर लेखन के अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। लेकिन आज बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध शॉर्टकट के जरिये हर परीक्षा पास करना चाहते हैं। कट-पेस्ट संस्कृति ने उनकी मौलिक सोच व सृजनात्मकता को ग्रहण लगा दिया। अक्सर छात्र प्रतियोगात्मक परीक्षाओं व लेखन प्रतिस्पर्धाओं में ऑनलाइन माध्यमों व इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री को हेर-फेर के साथ प्रस्तुत करते देखे जा रहे हैं, जो उन्हें व्यावहारिक जीवन की प्रतिस्पर्धा में कमजोर बनाता है। ऐसे में सीबीएसई व पोस्टल विभाग की पहल अनुकरणीय व प्रशंसनीय है।

विश्व व्यवस्था में रणनीतिक उलझाव पर बदलता नजरिया

लेफ्टिनेंट जनरल एस एस मेहता

रणनीतिक अस्पष्टता कभी वक्त निकालने का तरीका था जिससे तनाव घटाया जा सके। ताकि इतिहास अपना काम कर सके। यह स्थायित्व में भी मददगार थी। लेकिन मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसले टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। यह अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई बल्कि जानबूझकर की गयी।

दशकों तक, रणनीतिक अस्पष्टता को समझदारी की तरह लिया जाता था, समय निकालने का तरीका, तनाव घटाएं और इतिहास को अपना काम करने दें। एक अधिक संतुलित दुनिया में, इसने स्थायित्व बनाने का काम किया। मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसला टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। जो उपाय कभी शांति कायम रखता था, आज अनिश्चितता बढ़ा रहा है। परिणाम है नियंत्रित विचलन। अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई; जानबूझकर की गयी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ने शनैः-शनैः संयम को चुप्पी मानना सीख लिया। मुश्किल सवाल अनुत्तरित छोड़ दिए गये, सीमाएं अस्पष्ट और समयसीमा अनिर्धारित बनी रहीं। असमान महत्वाकांक्षा और अवसरवादी संशोधनवाद के युग में, अस्पष्टता सुरक्षा कवच की बजाय बोझ बन गई, जिसका दोहन वे करते हैं जिन्हें देरी करते जाने से फायदा है और भुगतना उन्हें पड़ता है जो विश्व व्यवस्था का पालन करने पर निर्भर रहते हैं। रणनीतिक अस्पष्टता की शुरुआत टालमटोल के तौर पर नहीं हुई थी। इसका मकसद था इरादे परखना और तालमेल बनने देना। यह कारगर रहा क्योंकि यह पारस्परिक आधार पर था और इसमें संतुलन शामिल था। समय के साथ, दोहराव ने इसे खोखला कर डाला। एक अस्थायी उपाय वह प्रवृत्ति बन गया;जिसका उद्देश्य नीयत स्पष्ट करना था, वह यथास्थिति की धीरे-धीरे, हिसाब-किताब लगाकर समाप्ति का तरीका बन गया। जब अस्पष्टता असमानता हो जाए : अनिर्धारित सीमाओं से इतर इसकी मिसाल कहीं इतनी साफ दिखाई नहीं देती। बहुत ऊंचाई वाले इलाकों में, नीति का मोल विरल हवा और जमी बर्फमें मापा जाता है। सबसे पहले नागरिकों को भुगतना पड़ता है, मसलन,कोई चरवाहा किसी रोज पाए कि एक गैर-मान्यताप्राप्त बाड़बंदी ने पीढ़ियों पुरानी उसकी चरागाह छीन ली या जब कोई ग्रामीण पाए कि पुरखों से चला रहा उसके क्षेत्र का नक्शा रात में खामोश सैनिक गश्त से पुनर्निधारित कर दिया गया। दूर समुद्र में , मछुआरों का यह पाना कि उनकी आजीविका रातोंरात अपराध बन गयी, इसलिए नहीं कि नक्शों की लकीरें सार्वजनिक रूप से पुनः खींची गईं, बल्कि इसलिए कि वे जानबूझकर अस्पष्ट छोड़ दी थी।

ऐसी सीमाओं पर, सैनिक अनिश्चितता को जीवन का अंग मानकर जीते हैं। वे उसी ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर चलते हैं, मामला निबटा देने की बजाए संयम बरतते हैं। जब अस्पष्टता पककर टकराव में बदल जाती है, तब उन्हें राजधानियों में अनिर्णय से पैदा जोखिम संभालने के लिए मानव बारूदी सुरंगों के रूप में आगे कर दिया जाता है।

लीक बदलने की लोकतांत्रिक कीमत

लंबे समय तक जारी अस्पष्टता की कीमत समान रूप से नहीं झेलनी पड़ती। लोकतंत्र बहसों और जवाबदेही के जरिये अनिश्चितता को जज्ब करते हैं। संशोधनवादी व्यवस्थाएं छद्म रूप से अस्पष्टता चलाती हैं। असमान संदर्भों में, अस्पष्टता सबसे मज़बूत पक्ष का भरोसेमंद साथ निभाती है। लीक में बदलाव असमान लागत लागू करता है और औपचारिक पसंद के बगैर, अंश-वार बदलाव बनाता है। ऐसी स्थितियों में, स्पष्टता टकराव नहीं बढ़ाती ; यह लोकतांत्रिक स्वच्छता है।

नियम कौन लिखता है

जब लोकतंत्र प्रारूप बनाने को टालते हैं, तो वे मूल स्वरूप खो देते हैं। नियम सहमति से नहीं, बल्कि बारंबार प्रक्रिया से बदलते हैं। अस्पष्टता विकल्पों का तबतक क्षरण करती जाती है जबतक कि सिर्फ एक ही बचे। एक सदी से भी पहले, लॉर्ड कर्ज़न ने पाया था कि सीमाओं को तय करने के बजाय उन्हें अनिर्धारित छोड़ देने से लाभ ज़्यादा होता है। उनकी यह अंतदृष्टि फायदा उठाने की गर्ज से थी। अस्पष्टता उस हित में है जो नक्शे को परिवर्तनीय और वक्त को हथियार की तरह बरतता है।

समय सीमाओं का टकराव 2035 और 2047

वह तर्क अब मद्धिम पड़ रहे वापसी बिंदु पर पहुंच चुका है। स्थिरता अब अनकही बातों पर और निर्भर नहीं रह सकती; यह योजनाबद्ध होनी चाहिए। जल्दबाज़ी तारीखों के टकराव से चालित है। चीन ने वर्ष 2035 को राष्ट्रीय कायाकल्प की समय-सीमा तय किया है। जबकि भारत का संकल्प साल 2047 तक है, जोकि आज़ादी का शताब्दी वर्ष है। बीच के दशकों को दूसरे की समयसीमा के हवाले करके कोई भी एक पक्ष ताकत का सभ्यतागत मील पत्थर हासिल नहीं कर सकता। जब एक पक्ष दशकों की योजना बना रहा हो और दूसरे की प्रतिक्रिया टुकड़ों में हो, तो अस्पष्टता तटस्थ नहीं रहती; यह महत्वाकांक्षा घटाने वाली बन जाती है।

समय अब क्यों मायने रखता है

योजनाबंदी को समयबद्ध अनुशासन की जरूरत होती है। समय सीमा वाली रूपरेखा टाल-मटोल के फायदों को उलट देती है। एक बार जब सीमा व समय तय हो जाए, तब संयम को औचित्य की और अधिक जरूरत नहीं रहती; उल्लंघन को पड़ती है। व्यावहारिक रूप से, यह तर्क इशारा करता है एक दीर्घ-कालिक,समय-सीमाबद्ध, महीनों में नहीं बल्कि दशकों में मापी जाने वाली रूपरेखा, वह जो समस्या के निबटारे में देरी वाले यथास्थिति उपाय को ठंडे बस्ते में डाल देने वाली, अधिक संतुलित घड़ी हो। 15 से 20 साल वाला क्षितिज रखना स्थायित्व को रियायत नहीं है; यह संरचना के साथ धैर्य को पुष्ट करना है। यह संवाद की पूर्व-बंदी या एकतरफा बदलावों को वैधता दिए बगैर, अस्पष्टता को दायित्व में और टालमटोल को जवाबदेही में रूपांतरित करना है। एक तयशुदा अवधि के लिए यथास्थिति बनाना बड़े लाभार्थी को उसके फायदे से वंचित करता है और शांत रहकर गतिविधि करने की बजाय जानबूझकर किए काम से संशोधनवाद को सतह पर आने पर मजबूर करता है। समय, जिसे कभी शक्तिशाली पक्ष हथियार की तरह बरतते रहे, तब एक बाधा बन जाएगा। या तो धैर्य महत्वाकांक्षा में देरी करवा देगा या फिर उल्लंघन इरादे को उजागर कर देगा।

रणनीतिक प्रतीक्षा का अंत

कभी अस्पष्टता संतुलन के लिए काम की चीज़ थी। आज, यह उन लोगों का फायदा करती है जो मामला टालने से लाभ लेते हैं। जो सभ्यताएं अपनी शर्तों को परिभाषित करने से इंकार करें, वे शांति सहेजकर नहीं रख पातीं,वे अपने भविष्य दूसरों के हवाले कर देती हैं। व्यावहारिक रूप से, ऐसे प्रारूप का स्वरूप है एक कूटनीतिक ठहराव, एक समयबद्ध यथास्थिति कायम रखना या तय अंतराल पर घोषित दायरे की पुनर्समीक्षा,जो संयम को धैर्य की मुद्रा से दायित्व के प्रारूप में बदल दे। संयम अपना नैतिक अधिकार तब खो देता है जब वह ज़बरदस्ती चलाए। संवाद अपनी आत्मा तब खो देता है जब वह एकतरफा फायदे को छिपाने वाला बन जाए। टालमटोल करते जाना अब सुरक्षा पाने का उपाय नहीं रहा; यह तो केवल जोखिम को श्रृंखला में निचली ओर धकेलना है, किसी चरवाहे, गश्ती दल या सैनिक पर। चाणक्य ने चेताया था कि देरी करने से राज्य हाथ से निकल जाता है। क्लॉज़विट्ज़ हमें याद दिलाते हैं कि हिचकिचाहट दुश्मन को पहल का मौका दे देती है। रणनीतिक इंतज़ार का युग बीत चुका है। आगे जो कुछ भी होगा, या तो योजनाबद्ध ढंग से बनेगा या खुद ही खो जाएगा।

लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर एवं पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

बंगाल में वर्चस्व के लिए टीएमसी-भाजपा टकराव तेज

मधुरेन्द्र सिन्हा

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी और भाजपा के बीच सियासी संघर्ष तेज़ हो गया है, जहां भ्रष्टाचार और विकास की राजनीति प्रमुख मुद्दे बने हैं।

भारत के पूर्वी प्रांत बंगाल में सियासी महासंग्राम शुरू हो चुका है। विधानसभा चुनाव मार्च या अप्रैल में होंगे। पांच मई तक नई सरकार को शपथ लेनी होगी। ममता बनर्जी इस समय कई कारणों से सुर्खियों में हैं। ईडी से उनका टकराव हाल की बात है। उससे पहले उन्होंने एसआईआर के खिलाफजबर्दस्त आवाज उठाई और चुनाव आयोग को धमकाया। इन हालातों के मध्यनजर सुप्रीम कोर्ट को बीच में आना पड़ा और उन्हें शांत किया।

ईडी ने वहां के कोयला कारोबारी और एक एजेंसी आईपैक के दफ्तरों और अन्य ठिकानों पर मनी लॉन्डरिंग के मामले में छापा मारा। ममता दीदी स्वयं वहां पहुंच गईं और फाइलें, लैपटॉप वगैरह उठा ले गईं तथा अपने पुलिस वालों से कहकर ईडी अफसरों और कर्मियों पर एफआईआर तक करवा दी। एफआईआर करवाना उनका पुराना तरीका है ताकि प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना रहे।

अब मामला हाईकोर्ट और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सुप्रीम कोर्ट में देश के सबसे बड़े दो वकील ममता दीदी की तरफसे खड़े हो गए। ईडी ने कोलकाता छापेमारी मामले में बंगाल पुलिस के कामकाज में दखलंदाजी के आरोपों के बीच बंगाल पुलिस के महानिदेशक को हटाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट में ममता के वकीलों ने राज्य पुलिस द्वारा की गयी एफआईआर को न्यायसंगत बताया। न्यायाधीश ने नाराजगी जताई और कड़े शब्दों में कहा कि यह गंभीर विषय है कि राज्य पुलिस किसी वैधानिक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान हर संस्था को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है और राज्य पुलिस को यह छूट नहीं है कि वह ईडी जैसी एजेंसियों के काम में बाधा डाले। कोर्ट ने साफकिया कि अंतिम फैसले तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। सभी जानते हैं कि बंगाल में घुसपैठ के चलते लाखों की तादाद में बांग्लादेशी मौजूद हैं। वे खुलेआम टीएमसी का समर्थन करते हैं और इसलिए पार्टी नहीं चाहती है कि उनके नाम कटें। इसके अलावा वहां रोहिंग्या भी बड़ी संख्या में आ घुसे हैं। उन्हें भी देश से भगाने की बात की जा रही है लेकिन ममता दीदी इसे स्वीकार नहीं करतीं।

कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस के बंगाल में पतन के बाद अब वहां एक दशक से लड़ाई भाजपा बनाम तृणमूल के बीच है। भाजपा ने पिछले दो चुनावों में काफी प्रयास किया, लेकिन वे टीएमसी की आक्रामक नीति और प्रशासन के सहयोग के सामने जीत का बिगुल नहीं बजा पाए। इस बार पार्टी नई रणनीति के साथ अमित शाह के नेतृत्व में उतरी है। उन्होंने बंगाल के चुनाव की कमान अपने हाथों में ले ली है। गृहमंत्री ने दिसंबर महीने में कोलकाता जाकर वहां पहले तो अपने पार्टी संगठन से जुड़े लोगों से बातचीत की और फिर आरएसएस के कार्यकर्ताओं से मंत्रणा की। मकसद था कि दोनों संगठनों में सामंजस्य बना रहे।

उन्होंने बहुत ही आक्रामक ढंग से शुरुआत की है और उसके बाद पीएम मोदी खुद ही बंगाल पहुंच गए। उन्होंने वहां के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इतना ही नहीं, देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी बंगाल से ही शुरू की गई, जबकि राज्य को पहले ही लगभग आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं मिल चुकी हैं। ये सभी कार्यक्रम वोटरों को आकर्षित करने की योजना का हिस्सा हैं।

भाजपा और अमित शाह की नीति रही है कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का हौसला बनाए रखा जाए। गृहमंत्री ने बंगाल में यही किया और उनसे हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के चुनींदा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के साथ भी गहन बातचीत की। स्थिति की समीक्षा करने और रणनीति बनाने के लिए उन्होंने भाजपा के विधायकों, सांसदों के अलावा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभासदों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बंगाल, जो कभी देश का एक बहुत बड़ा व्यापारिक केंद्र था, अब गिरावट के कारण 2023-24 में छठे स्थान पर पहुंच गया है। जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में भी गिरावट आई है। यहां प्रति व्यक्ति औसत आय राष्ट्रीय आय से भी घटकर नीचे आ गई है।

तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में आए 14 साल से ज्यादा समय हो चुका है। पार्टी ने राज्य से वामपंथी सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन उसके बाद यहां आपेक्षित विकास नहीं हुआ। बंगाल में बेरोजगारी दर बढ़ी है। राज्य में पलायन तेज हुआ है। राज्य के स्कूल-कॉलेज को टीएमसी ने राजनीति का गढ़ बना दिया है। साहित्य, कला-संस्कृति से संपन्न यह राज्य रंगत खो रहा है। बहरहाल, सत्तारूढ़ दल और मुख्य विपक्षी दल में तलवारें खिंच गई हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

उथल-पुथल के बीच निर्णायक मोड़ पर ईरान

गद्दाम धर्मेन्द्र

ईरान में विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन व उन पर सरकार की सख्त प्रतिक्रिया जारी है। ये इस इस्लामी गणराज्य के लिए अस्तित्व को चुनौती प्रतीत होते हैं। ऐसे में वहां सत्ता परिवर्तन की मांग शायद जल्दबाजी हो, लेकिन सरकार के अंदर बदलाव होने लाजिमी हैं।

पिछले करीब तीन सप्ताह में हुए अभूतपूर्व देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों ने इस्लामिक गणराज्य ईरान को हिलाकर रख दिया है। ये जल्द ही रुक जाएंगे, ऐसा कोई संकेत दिखाई नहीं देता। ईरान में सामाजिक अशांति नई बात नहीं, लेकिन हाल में हुए सार्वजनिक प्रदर्शनों की तीव्रता से लगता है कि देश के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है।

इनको फरवरी, 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद से, 47 सालों में सत्ता के समक्ष सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। देश में लॉकडाउन के अलावा अंतर्राष्ट्रीय संचार और टेलीफ़ोन सेवाएं बंद हैं। कहा जा रहा है कि सरकार ने वैश्विक सैटेलाइट संचार नेटवर्क 'स्टारलिंक' ब्लॉक करने को रूसी या चीनी मिलिट्री ग्रेड तकनीक का इस्तेमाल किया। अफवाहों और सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी वाले माहौल में ईरान में मौजूदा स्थिति का सटीक अंदाज़ा मुश्किल है। लेकिन, कई स्रोतों की रिपोर्ट है कि हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने बेरहमी से कार्रवाई की; जिसकी वजह से अब तक बड़ी संख्या में मौतें हो चुकी हैं और हज़ारों लोग हिरासत में लिये। आने वाले दिन या शायद हफ़्ते, तय करेंगे कि व्यापक तौर पर नापसंद मौजूदा सत्ता का भविष्य क्या होगा, हालांकि यह लंबे समय से कायम है और अगले महीने अपने 48वें साल में कदम रखने वाली है।

28 दिसंबर से शुरू होकर, संपूर्ण ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और दंगे हुए। आरंभ तेहरान के ग्रैंड बाज़ार से हुआ। व्यापारी दुकानें बंद कर धरने पर बैठ गए, उनके विरोध की मुख्य वजह थी ईरानी मुद्रा, रियाल का अपने मुख्य मूल्य मापदंड अमेरिकी डॉलर के बरक्स बेतरह गिरना। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की सरकार द्वारा वित्तीय एवं आर्थिक सुधार करने के फैसले ने आग में घी डाल दिया, इसके पीछे हर चीज़ पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध भी एक वजह है।

एक प्रस्ताव था कि तरजीही विनिमय दर व्यवस्था वापस ले ली जाए, जिसके तहत व्यापार संघ, जिन्हें वहां 'बाज़ारी' कहा जाता है, उन्हें भारी सब्सिडी पर बहुत कम दाम पर विदेशी मुद्रा मुहैया करवायी जाती है। ये 'बाज़ारी' नियंत्रित विदेशी मुद्रा प्रणाली के तहत तरजीही सरकारी फंड की उपलब्धता का पूरा बचाव करते आये हैं। पेज़ेशकियन के फैसले ने सत्ताधारी मौलाना वर्ग को इस मुद्दे पर बांट दिया, जो अर्थव्यवस्था पर बाज़ारियों के प्रभाव से परिचित हैं।

जो विरोध प्रदर्शन बाज़ारियों द्वारा दबाव बनाने की तरकीब के तौर पर शुरू हुए, वे जंगल में आग की तरह फैल गए, जिसमें छात्र और समाज का हरेक तबका शामिल हो गया, उनमें हताशा-निराशा लंबे समय से है, खासकर युवाओं में। इसके कुछ कारण हैं, अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार की खस्ता हालत, उच्च महंगाई दर (अनुमानित 45 फीसदी) और सरकार का आर्थिक कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार व सरकारी छूट का अनुचित लाभ लेने से लोगों में उपजी निराशा।

ईरान में पिछले विरोध प्रदर्शनों का पैटर्न, जिसमें सबसे ताजा 2022 का हिजाब-विरोधी प्रदर्शन था, कुछ ऐसा रहा कि लोगों की नाराज़गी शुरू में तो किसी सामाजिक (हिजाब-विरोध) या आर्थिक शिकायत से भड़की, लेकिन तुरंत ही सियासी बगावत में बदल गयी। एक अतिरिक्त अवयव यह कि फ़लस्तीन, सीरिया व लेबनान के मामले में ईरानी सरकार के दखल से पड़े आर्थिक बोझ पर नाराज़गी खुलकर जाहिर हुई है।

सरकार के खिलाफ़ आम नारा 'तानाशाह को सजाए मौत'जिससे अभिप्राय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई है के अलावा अब 'न गाज़ा न लेबनान के लिए, मेरी जान है ईरान के लिए' जैसे नारे भी लग रहे हैं। एक नया अवयव है 'जाविद शाह' (शाह अमर रहे) का नारा है, यानी अमेरिका में निर्वासन काट रहे युवराज रेज़ा पहलवी। पहलवी इस बगावत का श्रेय चाहते हैं और खुद को बतौर सही विकल्प पेश कर रहे हैं। हालांकि ईरान की बिखरी राजनीति और पहलवी की ईरानियों की इस पीढ़ी से दूरी के चलते यह मुश्किल काम लगता है। ईरान पश्चिम एशिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो भू-रणनीतिक एवं धार्मिक तौर पर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी, सऊदी अरब के बाद दूसरे नंबर पर है। दोनों मुल्क सुन्नी और शिया पंथ की विचारधाराओं के ज़रिए इस्लामिक उम्माह की सरदारी के लिए होड़ में हैं। जबकि इस्लाम के ये दोनों पंथ भारत में शांति के साथ सह-अस्तित्व में हैं, यह परिदृश्य ओआईसी के किसी एक भी देश में नजर नहीं आता। भारत और ईरान के बीच पारंपरिक रूप से करीबी ऐतिहासिक रिश्ते रहे और हाल के वर्षों में और प्रगाढ़ हुए, खासकर भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट के प्रबंधन एवं परिचालन की भागीदारी के जरिये। ब्रिक्स और एससीओ की सदस्यता दोनों देशों को सहयोग बढ़ाने देने में मददगार है। अकसर इस बात को कम आंका जाता है कि ईरान ने दशकों वाणिज्यिक और आर्थिक प्रतिबंध झेले, फिर भी कुशलता से खुद को अलग-थलग पड़ने से बचाने में कामयाब रहा। ईरान अपनी आज़ादी कायम रखने को कटिबद्ध है और वैश्विक ऊर्जा बाज़ार सहित एक महत्वपूर्ण भू-रणनीतिक खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह बनाए है। इसके पास कच्चे तेल का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा और प्राकृतिक गैस का दूसरा सबसे बड़ा भंडार है। ईरान काफी मांग वाले अपने हल्के तेल, यानी कम सल्फर मात्रा वाले कच्चे तेल, का प्रतिदिन लगभग दो मिलियन बैरल निर्यात करता है। इस प्रकार, ईरान में विरोध प्रदर्शनों और वेनेजुएला में हुई असामान्य घटनाओं ने दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में तेज़ी ला दी, ऐसी बढ़ोतरी जिस पर भारत के नीति निर्माता आगामी केंद्रीय बजट से पहले करीबी नज़र रखेंगे।

जहां सत्ता परिवर्तन की मांग समयपूर्व और जल्दबाज़ी हो सकती है, लेकिन संभव है सरकार के अंदर बदलाव की शुरुआत हमें देखने को मिले। ईरान में किसी भी किस्म की अस्थिरता के इस क्षेत्र और ऊर्जा मार्केट, दोनों पर, गंभीर असर होंगे।

लेखक ईरान में भारत के राजदूत रहे हैं।

भारतीय छात्रों को एक और झटका

जिन देशों में पहले भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? भारतीय छात्र जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। फिर भी उनकी एंट्री क्यों कठिन होती गई है।

विदेश जाकर पढ़ने की हसरत रखने वाले भारतीय छात्रों को एक और झटका लगा है। इस बार खबर ऑस्ट्रेलिया से आई है, जहां भारतीय छात्रों की वीजा अर्जी को उच्चतम जोखिम श्रेणी में डाल दिया गया है। इस फैसले के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत को उसी श्रेणी में रख दिया है, जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल पहले से हैं। उन्होंने इसका कारण बताया है- भारतीय छात्रों की 'विश्वसनीयता संबंधी' बढ़ा जोखिम।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत में फर्जी डिग्री संबंधी घोटालों के हुए खुलासों की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खूब चर्चा हुई। अब उसका नतीजा सामने आया है। इसके पहले भारतीय छात्रों के लिए कनाडा और ब्रिटेन जाना भी कठिन हुआ है।

पिछले वर्ष कनाडा ने भारतीय छात्रों के लिए जारी होने वाले वीजा में 31 प्रतिशत कटौती की। साथ ही जीवन यापन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के लिए वीजा एवं ई-वीजा शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। साथ ही अब सिर्फ पीएचडी और रिसर्च छात्र ही अपने जीवनसाथी या बच्चों को ब्रिटेन ले जा सकेंगे। वीजा पाने के लिए आमदनी का पहले से अधिक बड़ा स्रोत उन्हें दिखाना होगा। अमेरिका में तमाम विदेशी छात्रों के लिए हालात जिस तरह बिगड़े हैं, वे अब रोजमर्रा की सुर्खियां हैं। उनसे भी सबसे ज्यादा प्रभावित भारतीय छात्र ही हुए हैं। मुद्दा यह है कि जिन देशों में अभी कुछ वर्ष पहले तक भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है?

विदेशी छात्र उन तमाम देशों के शिक्षा क्षेत्र में आय का बड़ा स्रोत हैं। भारतीय छात्र भी वहां जाकर अपना ही पैसा खर्च करते हैं। इसके बावजूद उनकी एंट्री कठिन बना दी गई है। क्या इसका संबंध उन देशों में भारत की बदली छवि से है? या वहां भारतीयों के व्यवहार ने स्थानीय आवाम एवं सरकारों के कान खड़े किए हैं? भारतवासियों को इन प्रश्नों पर गंभीरता से आत्म-निरीक्षण करना चाहिए। कोई भी देश अपने यहां किसे किन शर्तों पर आने देगा, यह तय करना उसका अधिकार है। भारतीयों अगर वहां जाना है, तो उन्हें उनकी कसौटियों पर खरा उतरना होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दुर्ग के अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु 3 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। स्टाफ नर्स (पीआईसीयू/एचडीयू), स्टाफ नर्स (एलएमयू), कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (एनएचएम) पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में स्पष्ट एवं त्रुटिरहित ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन 04 फरवरी 2026 तक शाम 5.30 बजे तक ऑनलाइन कर सकते है। आवेदन केवल दुर्ग जिले की आधिकारिक वेबसाइट www.durg.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात अथवा किसी अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी, योग्यता, अनुभव, चयन प्रक्रिया एवं अन्य शर्तें दुर्ग जिले की वेबसाइट durg.gov.in पर उपलब्ध हैं, जिसे अभ्यर्थी डाउनलोड कर सकते हैं।

दुर्ग जिले के आवेदकों का साक्षात्कार 30 जनवरी को

दुर्ग। प्रदेश के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा आगामी 29, 30 और 31 जनवरी 2026 को शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, सेजबहार रायपुर में तीन दिवसीय 'राज्य स्तरीय रोजगार मेला' का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से निजी क्षेत्र के तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणी के लगभग 15,000 रिक्त पदों पर चयन हेतु साक्षात्कार लिए जाएंगे। दुर्ग जिले के आवेदकों के लिए विभाग द्वारा 30 जनवरी 2026, दिन शुक्रवार की तिथि निर्धारित की गई है। मेले में सम्मिलित होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल erojgar.cg.gov.in पर अपना रोजगार पंजीयन तथा रोजगार मेला हेतु पंजीयन कराना अनिवार्य है।

निगम क्षेत्र में गणतंत्र दिवस मांस-मटन की बिक्री प्रतिबंधित

दुर्ग। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर मांस-मटन विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। राज्य शासन के प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इस संबंध में ऑर्डर जारी किए गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने 26 जनवरी को पशुवध गृहों और मांस-मटन के निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत के दुकान को बंद रखने के संबंध में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा पत्र प्रसारित किया है। 26 जनवरी में किसी भी दुकान में मीट-मटन की बिक्री पाए जाने पर जप्ती के साथ ही कार्रवाई की जाएगी।

पुष्पक नगर से कातुल बोर्ड तक हटाए गए अतिक्रमण

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में स्वच्छता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में पुष्पक नगर से कातुल बोर्ड चौक एवं आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान नालियों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया तथा अवैध रूप से रखी गई सामग्री को जब्त किया गया।

जिले में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर पानी की कम जरूरत वाले वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले में ग्रीष्मकालीन धान की खेती के साथ कम पानी में अधिक लाभ देने वाली दलहन, तिलहन एवं मक्का जैसी वैकल्पिक फसलों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्धता एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

जिले के कई प्रगतिशील किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान के बजाय वैकल्पिक फसलों की खेती शुरू की है। दुर्ग विकासखंड के ग्राम घुघसीडीह एवं पाटन विकासखंड के ग्राम तरीघाट और धमधा विकासखंड के ग्राम भाटाकोकड़ी के किसानों द्वारा सरसों, मक्का एवं चना की खेती को प्राथमिकता दी जा रही है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि ग्रीष्मकालीन धान की खेती से भू-जल स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जबकि वैकल्पिक फसलें कम सिंचाई में अधिक लाभकारी एवं पर्यावरण के अनुकूल हैं।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा योजना) के अंतर्गत जिले में रबी मौसम हेतु दलहन (चना, मसूर) एवं तिलहन (सरसों) फसलों का प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन सहकारी समितियों के माध्यम से किया जा रहा है।

कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को अपनाकर जल संरक्षण के साथ-साथ अपनी आय में वृद्धि करें तथा शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इसे पानी की उपलब्धता को लेकर उनकी चिंता नहीं रहेगी और फसल सुरक्षित रहेगी।

पीएम विश्वकर्मा योजना से पारंपरिक कारीगरी को भी मिल रही नई पहचान - महापौर बाघमार

दो दिवसीय प्रदर्शनी सह व्यापार मेला का किया उद्घाटन, मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय, एमएसएमई - विकास कार्यालय, रायपुर द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए प्रदर्शनी-सह-व्यापार मेला का आयोजन दिनांक 21 एवं 22 जनवरी, 2026 को स्वामी विवेकानंद भवन, दुर्ग में किया गया। जिसका आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर,ज्ञानेश्वर चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल,शशि साहू की उपस्थिति में 100 स्टॉलों में सजी विश्वकर्माओं की कला, दीपप्रज्वलन कर प्रदर्शनी का उद्घाटन

बता दे कि विश्वकर्माओं द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए लगभग 100 स्टॉल लगाए है।

इस कार्यक्रम के अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, हर काम का अपना महत्व है। इस योजना में टूलकिट पोस्ट ऑफिस से भेजा जा रहा है जो कि पारदर्शी है, सराहनीय है, 5 फीसद वार्षिक दर पर ऋण मिल रहा है यह भी एक उपलब्धि है हमारे विश्वकर्मा जनों के लिए।

उन्होंने ये भी कहा कि इस योजना के माध्यम से विश्वकर्माओं को अपने साथ साथ अपने बच्चों का भी भविष्य संवारने में मदद मिलेगी। विलुप्त हो रही हस्तकला को वापस लाने के लिए ही यह योजना बनाई गई है। हर हाथ को काम मिले और युवागण नौकरी के ऊपर निर्भर ना रहे यही हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की अभिलाषा है। जब हर हाथ को, हर कारीगर को काम मिलेगा तभी हमारा देश तरक्की के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा। गांवों का विकास तभी होगा जब पुराने और परंपरागत व्यवसाय को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और हमारे गांव पहले की तरह समृद्ध और आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

डॉक्टर सीपी दुबे अध्यक्ष लघु उद्योग भारती इंसान के बनाए हुए सामानों की महत्ता के बारे बताया भारत एक समय सोने की चिड़िया था क्योंकि देश के हरेक गांव में सारी सुविधाएं उपलब्ध थी उनको बाहर जाने की आवश्यकता नहीं थी। इसी कारण प्रधानमंत्री ने कारीगरों को आगे बढ़ाने के लिए यह योजना लांच की है ताकि गांवों की उन्नति के साथ हमारा देश पुनः सोने की चिड़िया बन सके।

बीआर निकुंज मुख्य महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दुर्ग पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत दुर्ग जिले में प्राप्त आवेदनों, टूल किट वितरण, स्वीकृत ऋण आदि के बारे में बताया।

गणेशचंद्र डेका संयुक्त निदेशक स्किल डेवलपमेंट विभाग इस योजना के माध्यम से कारीगरों पहचान, सम्मान, सामर्थ और समृद्धि की प्राप्ति हुई है।इस प्रदर्शनी के माध्यम से विश्वकर्माओं को एक मंच मिलेगा, समान कैसे बेचना है, बिजनेस कैसे बढ़ाना है इसका अवसर मिलेगा। साथ ही उनका उत्पाद ऑनलाइन कैसे बेचना है इस पर भी जानकारी दी जाएगी

इस प्रदर्शनी में लगभग 100 स्टॉल लगाए गए हैं जिनके माध्यम से विश्वकर्माओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय का अवसर मिला।

विद्यार्थियों ने बैंड पर वंदेमातरम की धुन बजाकर सबका मन मोहा

राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्मरणोत्सव कार्यक्रम का आयोजन आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम में जिले के स्कूल, एनसीसी, एनएसएस और स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों ने बैंड के माध्यम से वंदे मातरम् गीत की धुन प्रस्तुत की।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का स्वर है। इसकी 150वीं वर्षगांठ राष्ट्र की एकता, आत्मगौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण का जीवंत संदेश देती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ी को भारतीय सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हुए उनमें देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करेगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि जिले में ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे देशभक्ति का वातावरण निर्मित हो रहा है। छत्तीसगढ़ तेलधानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू ने वंदे मातरम् के गौरवशाली इतिहास को साझा किया।

उत्कल शिक्षा मिशन सेवा समिति ने 11 अनाथ बच्चों को दी चरणपादुका

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। उत्कल शिक्षा मिशन सेवा समिति ने स्मृति नगर स्थित आनंद मार्ग आश्रम में निवास रत विद्यार्थियों को चरणपादुका प्रदान किया। समिति के संयोजक सुरेश महानंद ने बताया कि वे अपने पिता माधव महानंद एवं बहन मंजु जाल की स्मृति में वंचित बच्चों एवं बुजुर्गों की प्रतिवर्ष सहायता करते हैं। इस अवसर पर कोल इंडिया के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक एसडी सेन, डॉ सीआर मालवीय, दीपक रंजन दास, आचार्य मन्मथानंद अवधूत अतिथि के रूप में मौजूद थे। समिति के सदस्यगण वीरमणि महानंद, जीतेन्द्र ताण्डी, बेदो नाग, सुरेश नाडार, जगदीश पनिका, गर्व ताण्डी, नीलम जाल, प्रियंका ताण्डी, सुशीला महानंद मौजूद थे।

सुरक्षा एवं सम्मान को सुरक्षित रखने 'पॉश' पर कार्यशाला

हर्षित अग्रवाल

दुर्ग। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) पॉश अधिनियम, 2013 के अंतर्गत महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी एवं गैर-सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यरत हैं। कई बार महिलाएं कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न अथवा अनुचित व्यवहार के विरुद्ध आवाज़ उठाने से डरती हैं या जानकारी के अभाव में शिकायत नहीं कर पातीं। इसी को ध्यान में रखते हुए पीओएसएच एक्ट लागू किया गया है, ताकि महिलाएं बिना किसी भय के अपनी शिकायत दर्ज कर सकें और सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में कार्य कर सकें।

अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने अपने संबोधन में महिला कर्मचारियों के साथ घटित मामलों के उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि यह अधिनियम क्यों आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कानूनों की जानकारी इसलिए आवश्यक है, ताकि महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें और किसी भी प्रकार की प्रताड़ना के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठा सकें।

उक्त कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी द्वारा शीबॉक्स पोर्टल की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बताया गया कि कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की स्थिति में महिलाएं इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकती हैं और इसका लाभ उठा सकती हैं। चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष आंतरिक शिकायत समिति, जिला न्यायालय दुर्ग ने बताया कि जिला न्यायालय दुर्ग में भी पॉश के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रयास किये जा रहे हैं।

बीएसपी में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह

कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग ने निकाली रैली

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के कोल सेक्शन में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एक सुरक्षा रैली का आयोजन 19 जनवरी 2026 को किया गया। इस रैली का उद्देश्य कार्यस्थल पर मानवीय दृष्टिकोण आधारित सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों एवं श्रमिकों में सुरक्षा के प्रति साझा उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना था।

सुरक्षा रैली का नेतृत्व मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तुलाराम बेहेरा द्वारा किया गया। यह सुरक्षा रैली कोल मोडेक्स से प्रारंभ होकर कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) क्षेत्र एवं बैटरी क्षेत्र से होते हुए कार्यालय परिसर में संपन्न हुई। रैली में विभिन्न सेक्शनों के कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

कार्यालय परिसर में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए श्री बेहेरा ने कहा कि सुरक्षा केवल नियमों और प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोज़मर्रा के व्यवहार, आपसी देखभाल और सतर्कता से विकसित होने वाला एक मूल मूल्य है। उन्होंने कर्मचारियों से कार्य के दौरान सतर्क रहने, संभावित जोखिमों की समय पर पहचान एवं विश्लेषण करने तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है तथा खुला संवाद और समय पर हस्तक्षेप एक प्रभावी सुरक्षा संस्कृति की आधारशिला है।

महाप्रबंधक (प्रचालन -सीओ एंड सीसीडी) झगर सिंह ने दैनिक कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों के अनुपालन एवं सुरक्षित व्यवहार को निरंतर सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी बीसी मंडल के मार्गदर्शन में किया गया।

दक्ष वैद्य ने कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहिब से लिया आशीर्वाद

भिलाई। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सहप्रभारी सोशल मीडिया दक्ष वैद्य साहू ने अपनी नियुक्ति के पश्चात कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहिब से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर, गुरु खुशवंत साहिब ने दक्ष वैद्य साहू को प्रतीकात्मक भेंट प्रदान की और किसान हितों की रक्षा एवं डिजिटल माध्यमों से ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए आशीष दिया। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों तक मोदी जी की कल्याणकारी योजनाओं का प्रसार तेजी से करेंगे। उन्होंने कहा कि युवा ऊर्जा और आध्यात्मिक प्रेरणा के संगम से किसान समृद्धि के नवीन द्वार खोलेगी, जिसमें पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रचार प्रमुख होगा। दक्ष ने कहा कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों को जागरूक करेंगे और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के हर किसान तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

दिव्यांगजनों के लिए सुनहरा अवसर: कल रोजगार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

रायपुर। दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रोजगार कार्यालय, रायपुर द्वारा 23 जनवरी 2026 को विशेष प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक विशेष रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, राजभवन के बाजू, सिविल लाइन्स, रायपुर में आयोजित होगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में स्क्वेयर बिजनेस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा कस्टर सपोर्ट एक्जीक्यूटिव के 100 पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को 10,500 से 14,500 रुपए तक मासिक वेतन के साथ ईपीएफ इंसेंटिव एवं मेडिकल सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। चयनित उम्मीदवारों का कार्यक्षेत्र नया रायपुर स्थित सीबीडी बिल्डिंग, सेक्टर-21 रहेगा। इस कैम्प में छत्तीसगढ़ के ऐसे दिव्यांग महिला एवं पुरुष आवेदक शामिल हो सकते हैं, जो बिना व्हीलचेयर के चलने-फिरने में सक्षम हों, कम्प्यूटर संचालन का ज्ञान रखते हों तथा अंग्रेजी समझने और हिन्दी बोलने-लिखने में सक्षम हों। आवेदकों की आयु सीमा 18 से 27 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक दिव्यांगजन अपने साथ शैक्षणिक प्रमाण-पत्र , दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड के मूल दस्तावेज एवं फोटोकॉपी, साथ ही दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर कैम्प में उपस्थित हो सकते हैं। कैम्प में आने-जाने हेतु कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा तथा भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था आवेदक को स्वयं करनी होगी। प्लेसमेंट कैम्प में शामिल होने के लिए आवेदकों का छत्तीसगढ़ ई-रोजगार पोर्टल e-rojgar.cg.gov.in पर पंजीयन अनिवार्य है। प्लेसमेंट स्थल पर भी ऑनलाईन पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

25 जनवरी को मनाया जाएगा 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 जनवरी को पूरे देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूरे उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम मेरा भारत, मेरा वोट निर्धारित की गई है, जिसका उद्देश्य लोकतंत्र को सशक्त बनाते हुए नागरिकों, विशेषकर युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता एवं सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करना है।इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर द्वारा परिपत्र जारी कर दी गई है।

जारी परिपत्र के अनुसार 25 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर प्रदेश के सभी स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में निर्धारित थीम पर वाद-विवाद, चर्चा तथा चित्रकला, पेंटिंग, निबंध लेखन, नाटक, गीत जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार के समस्त विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) तथा जिला एवं राज्य स्तरीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मतदाता प्रतिज्ञा ली जाएगी। यह प्रतिज्ञा 25 जनवरी 2026 को प्रात: 11:00 बजे अथवा यथोचित समय पर आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही सभी शासकीय व सार्वजनिक उपक्रम कार्यालय एवं शिक्षण संस्थानों में भारत निर्वाचन आयोग के लोगो, जो मतदान के महत्व की पुष्टि करता है का उपयोग आधिकारिक वेबसाइटों में भी किया जाएगा । गतिविधियों के फोटोग्राफ्स, जहां संभव हो, #NVD2026 हैशटैग के साथ संबंधित शासकीय सोशल मीडिया हैंडल अथवा वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

गणतंत्र दिवस: छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में तय हुए मुख्य अतिथि

श्रीकंचनपथ न्यूज

नवा रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राज्यभर के जिला मुख्यालयों में ध्वजारोहण करने वाले मुख्य अतिथियों की सूची जारी कर दी है।

जारी आदेश के अनुसार, मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकों द्वारा विभिन्न जिलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा और मुख्यमंत्री का संदेश वाचन किया जाएगा। आदेश के मुताबिक, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर जिला मुख्यालय में ध्वजारोहण करेंगे। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू दुर्ग, उपमुख्यमंत्री अरुण साव बस्तर और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सरगुजा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव में ध्वजारोहण करेंगे। इसके अलावा राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री, सांसद और विधायक भी अलग-अलग जिलों में गणतंत्र दिवस समारोह की अगुवाई करेंगे। दंतेवाड़ा में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, बलरामपुर-रामानुजगंज में मंत्री गजेन्द्र यादव, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में सांसद संतोष पाण्डेय, बालोद में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, बलौदाबाजार में मंत्री राजेश अग्रवाल और बेमेतरा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे। इसी तरह शेष जिलों—सूरजपुर, महासमुंद, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, कोरिया, धमतरी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और सुकमा—में सांसदों एवं विधायकों को मुख्य अतिथि की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का निर्धारण एवं आयोजन संबंधित मुख्य अतिथि से परामर्श कर किया जाए। यह आदेश उप सचिव अंशिका ऋषि पाण्डेय द्वारा छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ के बिहान समूहों के उत्पाद को खरीदारों से मिला बेहतर रिस्पॉन्स

खरीदारों और समूहों के बीच विभिन्न उत्पादों की 2.13 लाख मीट्रिक टन की डील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । नवा रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित दो दिवसीय बायर-सेलर मीट 2026 में राज्य के बिहान महिला समूहों और इनके एफपीओ को जर्बदस्त रिस्पॉन्स मिला है, इससे महिला समूहों का मनोबल बढ़ा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित यह बायर-सेलर मीट 20 एवं 21 जनवरी को नया रायपुर स्थित निजी होटल में आयोजित हुई। इस दौरान खरीददार और महिला समूहों के प्रतिनिधियों के बीच उनके उत्पादों की मात्रा, क्वालिटी और मार्केटिंग को लेकर कई सहमतियां भी बनी।

इस मीट में छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों के खरीददार भी शामिल हुए, जिन्होंने बिहान के महिला समूहों के उत्पाद को न सिर्फ सराहा, बल्कि 11 प्रकार के उत्पादों की खरीददारी के लिए 2 लाख 13 हजार मीट्रिक टन की सप्लाई की डील भी फाइनल की। इन 11 उत्पादों में जैविक चावल जैसे-विष्णु भोग, देवभोग, जवाफूल, जीराफूल, विभिन्न प्रकार के मसाले, चना दाल बेसन, उड़द दाल, कोदो-कुटकी और तिखूर मुख्य रूप से शामिल हैं।

राज्य स्तरीय बायर-सेलर मीट 2026 दो दिवसीय मीट के दौरान बिहान के समूहों ने खरीददारों को अपने-अपने उत्पाद, मात्रा और क्वालिटी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। खरीददारों ने समूहों को अपनी डिमांड से भी अवगत कराया। बायर और सेलर के बीच आर्डर और सप्लाई को लेकर कई सहमति भी बनी।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान, एएफसी इंडिया लिमिटेड एवं प्रदान संस्था के सहयोग से आयोजित व्यावसायिक संवाद और बैठक न सिर्फ सार्थक रही बल्कि इसके परिणाम बहुत ही उत्साहजनक रहे। महिला समूहों और एफपीओ का अपने उत्पादों की मात्रा को बढ़ाने को लेकर एक नया उत्साह जगा।

इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव सुश्री निहारिका बारिक सिंह ने राज्य के सभी जिलों से आए महिला स्व-सहायता समूहों एवं महिला-नेतृत्व वाले एफपीओ के स्टॉलों का अवलोकन कर उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, प्रस्तुति और नवाचार की सराहना की।

उन्होंने कहा कि महिला समूह की दीदियां केवल उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बाज़ार की मांग को समझते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने खरीदारों से संवाद करते हुए इस बात का भरोसा दिलाया कि निकट भविष्य में महिला समूहों के उत्पादों की मात्रा और गुणवत्ता दोनों को और बेहर किया जाएगा, ताकि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों की मांग को पूरा किया जा सके।

इस अवसर पर बिहान के मिशन संचालक अश्विनी देवांगन ने कहा कि बायर सेलर मीट 2026 एक ऐतिहासिक अवसर है इसमें खरीदारों से सीधे संवाद से महिला एफपीओ एवं एसएचजी वास्तविक और टिकाऊ बाज़ार के अवसर प्राप्त हुए हैं। यह आयोजन छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आजीविका संवर्धन की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

राजधानी को बड़ी सौगात

उपमुख्यमंत्री साव करेंगे 21 करोड़ के 'नालंदा फेज-2' का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के शैक्षणिक कायाकल्प की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। जीई रोड पर 21 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक 'नालंदा परिसर फेज-2' का भव्य भूमिपूजन आगामी 23 जनवरी, शुक्रवार को दोपहर 3:00 बजे संपन्न होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव जी होंगे। श्री साव विधायक एवं पूर्व मंत्री राजेश मूणत की उपस्थिति में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला रखेंगे।

रायपुर के युवाओं को मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में एक ऐसी सौगात मिल रही है, जो पूरे प्रदेश में मिसाल बनेगी। अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र मानसिक थकान का अनुभव करते हैं। उनकी इसी समस्या को समझते हुए हमने नालंदा फेज-2 में 'स्टडी विथ फिटनेस' का कॉन्सेप्ट लागू किया है। यहाँ छात्र लाइब्रेरी में पढ़ाई के साथ-साथ परिसर के भीतर ही आधुनिक जिम और स्पोर्ट्स जोन का लाभ उठा सकेंगे। यह तीन मंजिला (त+3) भवन 5,615 वर्ग मीटर में फैला होगा, जिसे भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। यहाँ एक साथ 1,000 से अधिक छात्र बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। साथ ही 90 सीटों का एक विशेष लेक्चर हॉल होगा जहाँ विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। डिजिटल और फिजिकल लाइब्रेरी: परिसर में 11,500 से अधिक किताबों का संग्रह होगा। इसके साथ ही एक हाई-टेक ई-लाइब्रेरी भी विकसित की जाएगी। ग्राउंड फ्लोर में छात्रों के रिलैक्सेशन के लिए कैफेटेरिया, इंडोर गेम्स और प्ले-जोन की भी व्यवस्था होगी। प्रथम एवं द्वितीय तल: शांत अध्ययन क्षेत्र और मुख्य पुस्तकालय होगा।

तृतीय तल: विशेष रूप से 'ग्रुप स्टडी' के लिए समर्पित, जहाँ छात्र आपस में विचार-विमर्श कर सकेंगे। अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा: 21 मीटर ऊंचे इस भवन में पार्किंग के लिए 3,500 वर्ग मीटर का क्षेत्र और हरियाली के लिए विशेष ग्रीन जोन बनाया जाएगा। चौपाटी से 'ज्ञान के केंद्र' तक का सफर : जिस स्थान पर पहले अव्यवस्थित चौपाटी थी, वहां अब ज्ञान का मंदिर बनेगा।

इससे न केवल क्षेत्र का वातावरण बदलेगा, बल्कि हजारों छात्रों को एक सुरक्षित और शैक्षणिक माहौल मिलेगा। यह रायपुर का तीसरा नालंदा परिसर होगा, जो एनआईटी, आयुष विश्वविद्यालय और साइंस कॉलेज के आसपास रहने वाले हजारों छात्रों के लिए वरदान साबित होगा।

बारनवापारा परियोजना मण्डल में अखिल भारतीय बाघ अनुमान हेतु प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बारनवापारा परियोजना मण्डल के अधिकारियों और कर्मचारियों को बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में अखिल भारतीय बाघ अनुमान (ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन) के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण भारत सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा संचालित बाघ अनुमान अभियान (2026 चक्र) का हिस्सा है। 14 जनवरी को बारनवापारा अभ्यारण में बाघ अनुमान (ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन) के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

उल्लेखनीय है कि नवीनतम वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में बाघों की संख्या 3,682 दर्ज की गई है, जो विश्व की कुल बाघ आबादी का लगभग 70 से 75 प्रतिशत है। वर्ष 2026 के छठे चक्र में देशभर के 58 टाइगर रिजर्व सहित विभिन्न वन क्षेत्रों में बाघों, उनके शिकार प्राणियों और आवास की स्थिति का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद फील्ड स्टाफ ने क्षेत्र में बाघ अनुमान कार्य तुरंत प्रारंभ कर दिया है।

प्रशिक्षण में शामिल मुख्य विषय बाघों की पहचान एवं पगमार्क (पंजों के निशान), मल, खरोंच एवं अन्य संकेतों का विश्लेषण, कैमरा ट्रैप तकनीक, फील्ड डाटा संग्रहण एवं आधुनिक निगरानी विधियाँ प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर बाघों की वास्तविक संख्या एवं उपस्थिति का आकलन करना है। इस प्रशिक्षण से बारनवापारा अभयारण्य में बाघ संरक्षण को मजबूती मिलेगी, अवैध शिकार पर नियंत्रण होगा और वन्यजीव प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार आएगा। फील्ड स्टाफ की क्षमता बढ़ने से बाघ अनुमान कार्य अधिक सटीक और प्रभावी रूप से पूरा किया जा सकेगा। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम अखिल भारतीय बाघ अनुमान अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देकर बाघ संरक्षण तथा वैज्ञानिक वन्यजीव प्रबंधन को मजबूत कर रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए सक्रिय सहभागिता की और विषय से जुड़े प्रश्न पूछकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

बस्तर में शिक्षा की नई अलख : पढ़ेसे बस्तर अभियान से बच्चों को मिल रही मिनी लाइब्रेरी की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन ने ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के सर्वांगीण विकास और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक अभिनव अध्याय की शुरुआत की है। कलेक्टर हरिस एस और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में जिले में शिक्षा की नींव को मजबूत करने और बच्चों में पठन कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से जिले में पढ़ेसे बस्तर अभियान चलाया जा रहा है। इस मुहिम के तहत प्रशासन द्वारा सुदूर अंचलों में बहुभाषी मिनी लाइब्रेरी की स्थापना की जा रही है, ताकि बच्चों की पुस्तकों तक पहुँच आसान हो सके और वे ज्ञान की दुनिया से जुड़ सकें।

इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना को स्वयंसेवी संगठन प्रथम बुक्स की पहल डोनेट-ए-बुक के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस साझेदारी का सबसे सुखद पहलू यह है कि इसमें बच्चों को ऐसी पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं जो न केवल ज्ञानवर्धक हैं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक भी हैं। विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध ये किताबें बच्चों को अपनी विरासत से जोड़ते हुए उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। अभियान की सफलता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 4,788 पुस्तकें वितरित की जा चुकी हैं और वर्तमान में 43 नई मिनी-लाइब्रेरी के माध्यम से अतिरिक्त 4,477 पुस्तकें स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।

प्रशासन ने शिक्षा के प्रसार के लिए पारंपरिक सीमाओं को तोड़ते हुए इन पुस्तकालयों को केवल सरकारी स्कूलों तक सीमित नहीं रखा है। अब जिले के पुलिस थाने, जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र, दिव्यांग बच्चों के केंद्र और बाल देखभाल संस्थान भी ज्ञान के केंद्र बन रहे हैं, जहाँ ये लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है।

इस अभियान में शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग और पुलिस विभाग सहित विभिन्न विभाग एकजुट होकर सक्रिय सहयोग कर रहे हैं, जो साझा विकास और सहयोग की एक नई संस्कृति को दर्शाता है।

बस्तर जिला प्रशासन का यह प्रयास राष्ट्रीय स्तर के लक्ष्यों के साथ भी पूरी तरह से कदमताल कर रहा है। यह पहल सतत विकास लक्ष्यों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ-साथ निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी, जिसका लक्ष्य 2026 तक सभी बच्चों के लिए आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान सुनिश्चित करना है।

युवा शिक्षार्थियों को आवश्यक कौशल से लैस करके, प्रशासन न केवल उनकी भाषा सीखने की क्षमता को बढ़ा रहा है, बल्कि उनके लिए भविष्य में शैक्षिक एवं रोजगार के अवसरों का विस्तार भी कर रहा है।

पीएम आवास योजना ग्रामीण से रोहित का बना पक्का घर, सम्मानपूर्ण जीवन की ओर बढ़ रहा परिवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के ग्राम पंचायत बनाहिल में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने एक गरीब परिवार के जीवन में खुशियों की नई रोशनी भर दी है। ग्राम बनाहिल निवासी हितग्राही रोहित, पिता बिसाहू राम वर्षों से खपरे व टीन की छत से बने कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहे थे।

बरसात के दिनों में पानी टपकना, ठंड व गर्मी की मार तथा असुरक्षित आवास उनकी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी थी। आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना था।

शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने इस सपने को साकार किया। वित्तीय वर्ष 2024 25 में हितग्राही रोहित का आवास स्वीकृत किया गया तथा 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि उनके बैंक खाते में प्रदान की गई। इसके पश्चात निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण कर लिया गया, जिसकी पूर्णता वर्ष 2025 26 में हुई। आज रोहित अपने पक्के, सुरक्षित और सम्मानजनक मकान में परिवार सहित सुखपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। साथ ही वे उज्जवला योजना के अंतर्गत एल.पी.जी. कनेक्शन तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जलवाहित शौचालय जैसी सुविधाओं से भी लाभान्वित हैं।

हितग्राही रोहित कहते है कि प्रधानमंत्री आवास योजना मेरे लिए वरदान साबित हुई है। आज मेरे सिर पर पक्की छत है। यह सपना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। इसके लिए मैं शासन-प्रशासन का धन्यवाद करता हूँ। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण वास्तव में गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित आवास के साथ सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान करने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से जरूरतमंद परिवारो को मिला सुरक्षित आवास

बलरामपुर। शासन की योजनाएं गांवों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने का काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से ग्राम पंचायत रामचंद्रपुर के निवासी जीवन सोनी को पक्के आवास का लाभ मिला है।जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। जीवन सोनी बताते हैं कि पहले वे कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ निवास कर रहे थे। बरसात के दिनों में पानी टपकने और दीवारों की जर्जर स्थिति के कारण परिवार को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आय के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवेदन किया। पात्रता परीक्षण पूर्ण होने पर उन्हें आवास निर्माण के लिए शासन की ओर से आर्थिक सहायता दी गई।

इस मदद से उनका पक्का घर बनकर तैयार हुआ। अब जीवन सोनी और उनका परिवार सुरक्षित घर में रह रहे हैं। अब उनके पास सुरक्षित छत, मजबूत दीवारें और रहने के लिए उचित सुविधाएं उपलब्ध हैं। पक्का घर मिलने से बरसात, ठंड और गर्मी की परेशानी कम हुई है। घर बनने के बाद परिवार को सुकून मिला है।

शादी के 10 साल और यह सफर अभी भी जारी है : असिन

इंतजार करते हैं। खास फिल्मी दुनिया की चमक-दमक से दूर अभिनेत्री असिन थोट्टुमकल एक बार फिर चर्चाओं में हैं। उन्होंने शादी की 10वीं सालगिरह के जश्न की झलक साझा की, जिसे उन्होंने बेहद खास और रोमांटिक अंदाज में मनाया। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग से पहचान बनाने वाली असिन भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन उनकी झलक का फैंस आज भी इंतजार करते हैं।

खास मौके पर असिन ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशियों को लोगों के साथ साझा किया। असिन ने अपनी 10वीं वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें उनके पति और बिजनेसमैन राहुल शर्मा भी नजर आए। एक वीडियो में राहुल शर्मा असिन के लिए मशहूर गायक जॉन लेजेंड का गाना ऑल ऑफ मी गाते दिखाई दिए। इस दौरान असिन की हंसी साफ देखी जा सकती है।

असिन ने सबसे पहले एक खूबसूरत सैंड आर्ट की तस्वीर साझा की, जिसे उन्होंने खुद बनाया। इस पर लिखा ए+आर = एआर, और इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, शादी के 10 साल पूरे हो चुके हैं और यह सफर अभी भी जारी है।

इसके बाद असिन ने कुछ वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन की शानदार सजावट देखने को मिली। एक रोमांटिक कैनोपी को लाइटिंग, पर्दे और गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास तरीके से सजाया गया। एक वीडियो के बैकग्राउंड में हॉलीवुड फिल्म टाइटैनिक का मशहूर गाना माई हार्ट विल गो ऑन बज रहा है।

इस खास मौके पर असिन ने बेटी आरिन का नोट भी शेयर किया, जिसे उनकी बेटी ने अपने हाथों से लिखा था, हैप्पी एनिवर्सरी मम्मी-पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। पूरी दुनिया में आप सबसे अच्छे मम्मी-पापा हैं।

असिन और राहुल शर्मा की शादी जनवरी 2016 में हुई थी। पहले उनकी शादी ईसाई रीति-रिवाज से हुई और उसके बाद हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह संपन्न हुआ। शादी के बाद असिन ने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। साल 2017 में दोनों आरिन के माता-पिता बने।

हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में अनुष्का सेन ने दिखाया किलर अंदाज, बैक लुक देख पानी-पानी हुए लोग

बालवीर, झांसी की रानी और देवों के देव...महादेव जैसे सीरियल्स से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने कान्स फिल्म फेस्टिवल तक अपना जलवा बिखेरा है। एक्ट्रेस सिर्फ पर्दे तक ही सीमित नहीं है, वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती है। इसी बीच अनुष्का ने शॉर्ट ड्रेस में ऐसी फोटोज शेयर की है, जिन्हें देखकर फैंस पानी-पानी हो गए हैं।

अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और हॉट तस्वीरों से आग लगाती रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अब वन-पीस ड्रेस में शानदार पोज देते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में अनुष्का सेन येलो वन पीस शॉर्ट ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और हॉट नजर आ रही हैं। हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में एक्ट्रेस ने जमकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया। लेकिन इस दौरान हर किसी की नजर उनकी बैकलेस बैक पर टिक गई जिसे देखकर लोग पानी-पानी हो गए।

लेटेस्ट तस्वीरों में अनुष्का सेन येलो वन पीस शॉर्ट ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और हॉट नजर आ रही हैं। हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में एक्ट्रेस ने जमकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया। लेकिन इस दौरान हर किसी की नजर उनकी बैकलेस बैक पर टिक गई जिसे देखकर लोग पानी-पानी हो गए।

अनुष्का की पॉपुलैरिटी का अंदाजा उनके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की संख्या से ही लगाया जा सकता है। इंस्टाग्राम पर उनके 39.2 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। यही वजह है कि, एक्ट्रेस का पोस्ट आते ही वायरल हो जाता है।

अनुष्का सेन ने बहुत ही कम उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। हालांकि, उन्हें पहचान बालवीर शो से मिली थी। इसके अलावा वह झांसी की रानी और हाल ही में दिल दोस्ती डिलेमा जैसे शोज में भी दमदार अभिनय दिखा चुकी हैं।

बता दें कि, टीवी सीरियल्स के साथ-साथ अनुष्का सेन ने बॉलीवुड में भी अपनी किस्मत आजमाई है। उन्होंने एम आई नेक्स्ट और क्रेजी कुक्कड़ फैमिली जैसी फिल्मों में भी अभिनय किया है। सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटीज को अक्सर ट्रोल्स का सामना करना पड़ता है और अनुष्का भी इससे अछूती नहीं हैं। लेकिन वह अक्सर ऐसे कमेंट्स को नजरअंदाज करके या मजेदार तरीके से जवाब देकर आगे बढ़ जाती हैं।

प्रदूषण की वजह से आंखों में हो रही है जलन, अपनाएं ये उपाय

वायु प्रदूषण में आंखों में जलन होना एक समस्या है। ऐसी स्थिति में अक्सर लोगों के इस परेशानी से जुड़े कई सवाल होते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही इससे बचाव के कुछ उपाय और सावधानियों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों वायु प्रदूषण एक बार बढ़ा हुआ है। ठंड और स्मॉग ने न केवल हमारे फेफड़ों बल्कि हमारी आंखों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण (पीएम 2.5), जहरीली गैसें और धूल के कण आंखों की नाजुक झिल्ली के संपर्क में आते ही जलन, खुजली और लालिमा पैदा करने लगते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण के कारण आंखों में 'ड्राई आई सिंड्रोम' की समस्या तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि जहरीले कण आंखों की नेचुरल नमी यानी आंसू की परत को सुखा देते हैं।

दरअसल, जब आप बाहर निकलते हैं, तो ये प्रदूषक सीधे आपकी आंखों की सतह पर चिपक जाते हैं, जिससे न केवल तात्कालिक परेशानी होती है, बल्कि लंबे समय में दृष्टि पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आंखों में होने वाली यह चुभन और पानी गिरना इस बात का संकेत है कि आपकी आंखों का रक्षा तंत्र बाहरी विषैले तत्वों से लड़ने में असमर्थ हो रहा है। ऐसे स्थिति में आप आंखों को सुरक्षित रखने के

लिए कुछ सावधानी बरत सकते हैं, जिसके बारे में आपको जानना चाहिए।

ठंडे पानी की सिकाई और सफाई का महत्व

आंखों को प्रदूषण से राहत दिलाने का सबसे पहला और प्रभावी उपाय है आंखों को बार-बार साफ पानी से धुलना। जब आप बाहर से घर लौटें, तो ठंडे पानी के छींटे मारें ताकि सतह पर जमा धूल के कण निकल जाएं। इसके अलावा एक साफ सूती कपड़े को ठंडे पानी में भिगोकर आंखों पर 5-10 मिनट के लिए रखें। यह न सिर्फ जलन को कम करेगा, बल्कि रक्त वाहिकाओं को सिकोड़कर लालिमा को भी कम करने में मदद करेगा।

खीरे और गुलाब जल का प्राकृतिक उपचार

आंखों की जलन को मिनटों में दूर करने के लिए खीरे के स्लाइस या गुलाब जल में भीगे कॉटन पैड्स का उपयोग करें। खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और ठंडक देने वाले गुण आंखों की सूजन को कम करते हैं। गुलाब जल एक प्राकृतिक क्लीनर की तरह काम करता है जो आंखों के भीतर छिपे सूक्ष्म प्रदूषकों को बाहर निकाल देता है। ध्यान रहे कि गुलाब जल शुद्ध हो और उसमें किसी प्रकार का रसायन न मिला हो।

सुरक्षात्मक चश्मा और हाइड्रेशन का ध्यान

बाहर निकलते समय 'रैप-अराउंड' सनग्लासेस या प्रोटेक्टिव गियर का उपयोग करें, जो आंखों को सीधी हवा और धूल से बचाते हैं। इसके साथ ही, शरीर में पानी की कमी न होने दें। पर्याप्त पानी पीने से आंखों में आंसू का उत्पादन सही बना रहता है, जो प्रदूषकों को प्राकृतिक रूप से बाहर निकालने के लिए जरूरी है। अपनी डाइट में ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन7 युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें ताकि आंखों की नमी बनी रहे।

कब लें डॉक्टर की सलाह?

अगर घरेलू उपायों के बावजूद आंखों में तेज दर्द, धुंधलापन या अत्यधिक मवाद महसूस हो, तो इसे हल्के में न लें। प्रदूषण की वजह से होने वाला संक्रमण 'कॉर्नियल अल्सर' तक जा सकता है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अक्सर फेफड़ों की चिंता में आंखों को भूल जाते हैं। ध्यान रखें आपकी आंखें अनमोल हैं, प्रदूषित दिनों में इनकी अतिरिक्त देखभाल ही इन्हें भविष्य के खतरों से सुरक्षित रख सकती है।

बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही चिरंजीवी की फिल्म, 8वें दिन तोड़ा 'वाल्टेयर वीरैया' का रिकॉर्ड

अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित और चिरंजीवी स्टारर मना शंकरा वारा प्रसाद गारू बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. यहां तक कि प्रभास की द राजा साब की भी इस फिल्म ने छुट्टी कर दी है. इस फैमिली एंटरटेनर ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. चलिए यहां जानते हैं मंडे टेस्ट में इस फिल्म का कैसा हाल रहा है? मना शंकरा वारा प्रसाद गारू 12 जनवरी को संक्रांति के त्योहार के बीच रिलीज हुई थी। ये फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बनाए हुए हैं और तमाम बड़ी फिल्मों के बीच ये दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने में कामयाब हो रही है। हालांकि 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को इसकी कमाई में भी गिरावट दर्ज की गई और इसने रिलीज के बाद पहली बार सिंगल डिजिट में कमाई की।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मना शंकरा वारा प्रसाद गारू ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 8 दिनों की कुल कमाई अब 165.90 करोड़ रुपये हो गई है।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अपने प्रीमियर से 9.35 करोड़ रुपये कमाए थे। इसके बाद फिल्म ने पहले दिन 32.25 करोड़, दूसरे दिन 18.75 करोड़

और तीसरे दिन 19.5 करोड़ की कमाई की. चौथे दिन इसने 22 करोड़, पांचवें दिन 19.5 करोड़, छठे दिन 18.9 करोड़ और सातवें दिन 17.65 करोड़ कमाए थे।

फिल्म ने अच्छी कमाई की है, लेकिन इसे मिले-जुले रिव्यू मिले हैं। वहीं इस फिल्म ने चिरंजीवी की पिछली फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। इनमें भोला शंकर ने भारत में 30.63 करोड़ रुपये, आचार्य ने 56.14 करोड़ रुपये, गॉडफादर ने 74.03 करोड़ रुपये और वाल्टेयर वीरैया

अचानक क्यों बढ़ गया कृति सेनन का वजन? फैंस संग साझा की अपनी दिक्कत; जिम में बहाया पसीना

कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है, इसमें वह हालिया बढ़े अपने वजन का जिक्र कर रही हैं। अचानक क्यों बढ़ गया कृति का वेट? इसकी वजह क्या थी, जानिए? हाल ही में कृति सेनन फिल्मों से ब्रेक लेकर उदयपुर में नजर आईं। यहां पर उनकी बहन नूपुर सेनन की शादी हुई। इस मौके पर वह नाचती-गाती नजर आईं। अब कृति मुंबई आ चुकी हैं।

इसके बाद ही कृति सेनन ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर की है। जिसमें वह अपने वेट को लेकर बात कर रही हैं।

कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की, जिसमें वह जिम में एक्सरसाइज कर रही हैं। साथ ही एक कैप्शन भी लिखा, 'मिठाई वेट के नीचे छिपे हुए एब्स को बाहर निकालना है।' इस लाइन के साथ वह बता रही हैं कि बहन की शादी में ज्यादा मिठाई खाकर उनका वेट बढ़ गया है। अब वह वर्कआउट से अपनी एब्स बॉडी को वापस पाना चाहती हैं।

फिटनेस कॉन्शस हैं कृति सेनन

कृति सेनन अपनी फिटनेस को लेकर काफी कॉन्शस रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर ही अपने जिम वर्कआउट वीडियो फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं। हालिया शेयर की गई पोस्ट में भी वह जिम में खूब पसीना बहाती दिखीं। काफी हार्ड वर्कआउट वह कर रही थीं।

इस अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में कृति

कृति सेनन के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले वह धनुष के साथ फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आईं। इन दिनों वह एक फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

खास खबर

निगम आयुक्त ने की शहरी योजनाओं की समीक्षा, लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर रायपुर निगम आयुक्त विश्वदीप ने कलेक्टर सभाकक्ष में निगम अधिकारियों, जोन आयुक्तों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों (सीएमओ) की समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 एवं 2.0, स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मिशन अमृत 2.0 तथा एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) रूल 2023 के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। निगम आयुक्त विश्वदीप ने सभी योजनाओं में निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को तत्काल प्रारंभ किया जाए। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में जिले के नगरीय निकायों द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के लिए संग्रहित ठोस अपशिष्ट के प्रतिशत में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत प्रथम ऋण प्रकरणों में पात्र हितग्राहियों को ऋण वितरण सुनिश्चित करने तथा स्वीकृत लक्ष्य का 40 प्रतिशत कार्य लक्ष्य निर्धारित तिथि तक पूर्ण करने पर जोर दिया। मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत शेष नल कनेक्शनों के लक्ष्य को जल्द पूरा करने तथा स्वीकृत सीवेज योजनाओं में भौतिक प्रगति को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। एबीसी रूल 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत नगरीय निकायों में आवारा कुत्तों के स्टेरलाईजेशन, वैक्सीनेशन, डीवार्मिंग एवं वैज्ञानिक प्रबंधन को गति देने, चिन्हांकित आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण तथा सभी निगम, जोन कार्यालयों एवं नगर पालिकाओं में डॉग फीडिंग जोन स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए।

नैनो उर्वरक परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर । विकासखंड आरंग के ग्राम छटेरा में आज कृषि विभाग एवं इफको के संयुक्त तत्वावधान में नैनो उर्वरक परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत आरंग की अध्यक्ष टाकेश्वरी मुरली साहू ने की। संगोष्ठी में क्षेत्र के लगभग 300 कृषकों ने सहभागिता की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती साहू ने कहा कि नैनो उर्वरक कृषि के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, जिनसे उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलती है। उन्होंने किसानों से नैनो उर्वरकों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र से पधारे वैज्ञानिक डॉ. राजेश अग्रवाल ने नैनो उर्वरकों के उपयोग हेतु ड्रोन तकनीक के संचालन एवं उसके महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं डॉ. प्रेम शंकर तिवारी ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य, उर्वरक उपयोग एवं कीट प्रबंधन के विषय में उपयोगी तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। इफ्को से उपस्थित उप महाप्रबंधक राजेश गोले ने नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के लाभ, उपयोग विधि एवं उत्पादन बढ़ाने में उनकी भूमिका पर विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर उप संचालक कृषि सतीश अवस्थी ने किसानों को नैनो उर्वरक एवं ड्रोन के पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों की तुलना में नैनो उर्वरकों से पौधों की जड़ अधिक सशक्त होती है।

छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट को पर्यटन के क्षेत्र में मिलेगा नया आयाम

पर्यटकों के लिए बनेगा सर्वसुविधायुक्त आवासीय परिसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

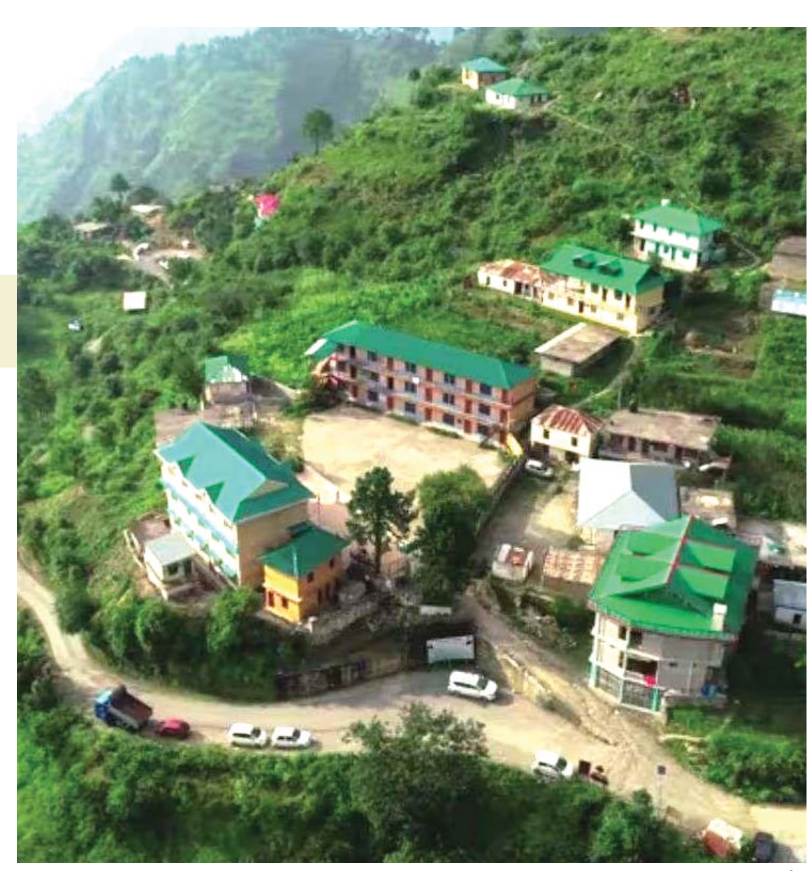

रायपुर। मैनपाट जिसे छत्तीसगढ़ का शिमला कहा जाता है, अपनी वादियों, झरनों और हरियाली से भरपूर प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ का 'शिमला' नाम से प्रसिद्ध मैनपाट में पर्यटन सुविधाओं और आवासीय विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य सरकार द्वारा मैनपाट में 4.80 हेक्टर (12 एकड़) भूमि अटल विहार योजना हेतु छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आवंटित की गई है।

मैनपाट में 4.80 हेक्टेयर भूमि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आवंटित

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने बताया कि इस भूमि पर आधुनिक एवं बहुउपयोगी पर्यटन, आवासीय परिसर का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप विकसित होने वाली यह परियोजना मैनपाट आने वाले पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती ठहराव उपलब्ध कराएगी। इन्हीं अद्भुत स्थलों में से एक है जलपरी पर्यटन बिंदु। जलपरी प्वाइंट का मनोहारी दृश्य मानो किसी परीकथा की दुनिया में ले जाता है। यहां बहती ठंडी हवाएं, गहरी घाटियां और झरनों की मधुर ध्वनि यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देती है। बादलों से खेलती पहाड़ियां और हर मौसम में बदलते रंग यहां की विशेष पहचान हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता इस स्थल की सुंदरता किसी जलपरी की तरह आकर्षक है। शांत वातावरण, झरनों से गिरती जलधारा और हरियाली से भरे जंगल यहां आने वाले पर्यटकों को ऐसा अनुभव कराती हैं, मानो वे किसी परियों की कहानी में प्रवेश कर गए हों। अनुराग सिंह देव ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के सक्रिय प्रयासों से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि मैनपाट में लगातार बढ़ते पर्यटक आगमन को देखते हुए इस तरह की सुविधाओं की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

मैनपाट में प्रस्तावित परिसर में आधुनिक वेलनेस एवं मनोरंजन सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। श्री सिंह देव ने बताया कि परियोजना में केरल मॉडल पर आधारित वेलनेस सेंटर, प्राकृतिक पंचकर्म चिकित्सा, हर्बल स्पा और आयुष सेवाएं प्रस्तावित हैं। साथ ही 24म7 क्लब हाउस, मिलेट्स कैफे, जिम, स्विमिंग पूल, किड्स प्ले एरिया, स्टीम बाथ और एंटरटेनमेंट ज़ोन विकसित किए जाएंगे। पर्यावरण अनुकूल विकास के तहत ट्री हाउस, कॉटेज और स्थानीय जीवन एवं संस्कृति का अनुभव कराने वाला सांस्कृतिक क्षेत्र भी शामिल होगा।आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मैनपाट छत्तीसगढ़ का विशिष्ट एवं उभरता हुआ पर्यटन गंतव्य है। तेजी से बढ़ रही पर्यटक संख्या को देखते हुए यहाँ आधुनिक सुविधाओं का विकास अत्यावश्यक है। हाउसिंग बोर्ड की यह पहल पर्यटन, आवास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगी तथा मैनपाट को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करेगी। श्री सिंह देव ने बताया कि परियोजना से मैनपाट में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नई संभावनाएं खुलेंगी। गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से पर्यटकों का ठहराव समय बढ़ेगा, जो क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने परियोजना को छत्तीसगढ़ के पर्यटन विस्तार के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पर्यटन सुविधाओं के विकास से पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलेगा और राज्य का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर मजबूत होगा। मैनपाट के समग्र विकास से स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं व्यापार के अवसर उपलब्ध होंगे और क्षेत्र की पहचान को नई ऊँचाई देगी।

सरगुजा की पहाड़ियों में बसे छत्तीसगढ़ के हिल स्टेशन मैनपाट में वर्षभर ठंड पड़ती है. यहां सैर-सपाटे के लिए कई खूबसूरत जगहें है,जिसमें बौद्ध मंदिर, उल्टा-पानी, टाइगर पॉइंट, जलजली, मेहता पॉइंट, चाय बगान के अलावा कई अन्य स्थान शामिल है। यहां घूमने के लिए प्रदेश के अन्य जिलों से पर्यटक पहुंचते है,इसके अलावा देश के अलग-अलग राज्यों से भी लोगों का आना होता है। वहीं अब पर्यटन विभाग की ओर से मैनपाट में पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि यह पहल छत्तीसगढ़ में पर्यटन, आवास विकास के क्षेत्र में गृह निर्माण मंडल की ऐतिहासिक भूमिका को मजबूत करेगी और भविष्य में मैनपाट को एक प्रमुख राष्ट्रीय पर्यटन केन्द्र के रूप में स्थापित करने का आधार बनेगी।

टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। भारत एल्यूमीनियम कंपनी बालको के बालको आरोग्य परियोजना अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चुईया में क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को टीबी के प्रति जागरूक करना तथा समाज में इसके प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करना रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पल्मोनरी एवं एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी गई। साथ ही क्षय रोग के प्रमुख लक्षण, इसके फैलने के कारण तथा इससे बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बच्चों को यह भी बताया गया कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है, बशर्ते समय पर जाँच और पूरा इलाज कराया जाए। इस अवसर पर नि-क्षय पोषण योजना, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान एवं राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) जैसी शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई, ताकि बच्चे और उनके परिवार इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकें।

धान खरीदी में गड़बड़ी, डाटा एंट्री ऑपरेटर निलंबित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के धान उपार्जन केंद्र तमनार में धान खरीदी के दौरान गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जांच में ही फर्जी प्रविष्टि कर अधिक मात्रा में धान खरीदी दर्शाए जाने का खुलासा हुआ, जिसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। यह मामला छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धान खरीदी के लिए निर्धारित नियमों और पारदर्शी व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा करता है।

जिला नोडल अधिकारी धान उपार्जन केंद्र तमनार द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार, 19 जनवरी 2026 को कृषक चन्द्रमणी पिता हरीशचंद्र, निवासी झिंकाबहाल, धान विक्रय हेतु उपार्जन केंद्र पहुंचे थे। जांच के दौरान 85 बोरी धान अमानक पाए जाने पर उन्हें पृथक कर दिया गया, जबकि शेष धान को मानक प्रक्रिया के अनुसार ढालकर नमी मापी गई, बोरे में भरकर वजन कराया गया। इस प्रक्रिया में कुल 383 बोरी धान का वजन सही और खरीदी योग्य पाया गया। जांच के बाद समिति प्रबंधक को केवल मानक धान की खरीदी के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद जब समिति द्वारा संधारित रजिस्टर और कंप्यूटर प्रविष्टियों की जांच की गई, तो चौंकाने वाली गड़बड़ी सामने आई। जांच में पाया गया कि समिति के कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा कृषक के नाम पर कुल 662 बोरी धान (264.80 क्विंटल) की खरीदी दर्ज कर दी गई, जबकि वास्तविक रूप से केवल 383 बोरी धान ही खरीदी योग्य थी। इस प्रकार 279 बोरी धान, जिसका वजन लगभग 111.6 क्विंटल बताया गया है, की फर्जी खरीदी दर्ज होना स्पष्ट हुआ। यह कृत्य छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी धान खरीदी संबंधी निर्देशों का गंभीर उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने इसे अत्यंत गंभीर अनियमितता मानते हुए तत्काल कार्रवाई की।

तीन दिवसीय गुरु दर्शन मेले की तैयारियां शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। गिरौदपुरी धाम में 22 फरवरी से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय गुरु दर्शन मेले की तैयारियों को लेकर बलौदाबाजार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य मेले को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना रहा।

इस बैठक की अध्यक्षता धर्मगुरु एवं मेला समिति के अध्यक्ष गुरु बालक दास ने की। बैठक में मंत्री गुरु खुशवंत साहब, विभिन्न सामाजिक पदाधिकारी, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान धर्मगुरु बाल दास साहब ने बताया कि इस वर्ष गुरु दर्शन मेले में पिछले वर्षों की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से बड़ी संख्या में दर्शनार्थी और आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालु गिरौदपुरी धाम पहुंचेंगे, इसलिए सभी व्यवस्थाएं पहले से बेहतर होनी चाहिए।

मंत्री गुरु खुशवंत साहिब ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संभावित आगमन को ध्यान में रखते हुए विशेष तैयारियां की जाएं। सुरक्षा, यातायात, मंच व्यवस्था और प्रोटोकॉल से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं, कानून व्यवस्था और सुरक्षा यात्रियों की सुविधाएं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर ने बताया कि मेले के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसमें पार्किंग, यातायात नियंत्रण, बिजली आपूर्ति, आपातकालीन सेवाएं, कंट्रोल रूम और मेडिकल कैंप की व्यवस्था शामिल है।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। अधिकारियों ने बैठक में आश्वासन दिया कि इस बार गुरु दर्शन मेले में पहले से कहीं अधिक चुस्त-दुरुस्त व्यवस्थाएं रहेंगी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो।

बसंत पंचमी कलः विद्यादायिनी सरस्वती मां की होगी उपासना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। माघ कृष्ण पंचमी को सरस्वती पूजा का आयोजन परंपरा और आस्था के साथ विभिन्न क्षेत्रों में होगा। मुख्य रूप से इस मौके पर विद्यादायिनी सरस्वती की उपासना होगी। उन्हें विद्या और उससे संबंधित सभी सोपान के अधिष्ठात्रि माना जाता है।

बसंत पंचमी पर अनेक स्थानों पर मिट्टी से बनी सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की जाएगी, तो अन्य क्षेत्रों में धातु की प्रतिमा का उपयोग होगा। ऋतु परिवर्तन के साथ ही बसंत पंचमी का संबंध जुड़ा है, इसलिए संबंधित वस्तुएं पूजा में शामिल की जाएंगी। कोरबा के शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ ऐसे सभी स्थान जहां पर किसी भी तरह की शिक्षा या प्रशिक्षण की व्यवस्था है, सरस्वती पूजा की परंपरा निभाई जाएगी। इसे लेकर अभी से तैयारी की जा रही है। बसंत पंचमी को देवालयों में भी आयोजन होंगे। विद्यारंभ के लिए भी इस दिन को अत्यंत शुभ माना गया है।

इंडिया- न्यूज़ीलैंड मैचः स्टेडियम में इस बार पहले से ज्यादा पुलिसकर्मी होंगे तैनात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को भारत तथा न्यूजीलैंड के बीच टी-20 मुकाबला होना है। मैच की सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालते हुए एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने पूर्व में आयोजित मैच की तरह इस बार भी सुरक्षा जवानों की तैनाती करने की जानकारी दी।

साथ ही पिछले मैच में एक युवक सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान के अंदर प्रवेश कर गया था, ऐसी स्थिति से निपटने उन्होंने स्टेडियम के अंदर जहां दर्शक दीर्घा है, वहां सुरक्षा जवानों की तैनाती और बढ़ाए जाने के निर्देश दिए हैं। मैच में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने सात सौ के करीब बल की तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही 10 पुलिस अफसरों को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

मैच देखने आने वालों को पूर्व की तरह जारी गाइड लाइन के अनुसार स्टेडियम के अंदर प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही मैच शुरू होने के एक घंटा पहले लोगों को स्टेडियम के अंदर एंट्री दी जाएगी। बाउंड्री लाइन पर इस बार अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए जाएंगे। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने स्पष्ट किया है कि पहली पारी समाप्त होने के बाद स्टेडियम में किसी भी दर्शक को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। स्टेडियम के अंदर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पुलिस के साथ छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ साढ़े तीन सौ के करीब निजी बाउंसरों की तैनाती करेगा। इसके अलावा सीएससीएस के 45 से ज्यादा अधिकारी व्यवस्था संभालेंगे।

पूर्व के मैच में सुरक्षा में तैनात कई बाउंसर आपराधिक रिकार्ड के मिले थे। इस बात को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने सीएससीएस को साफ तौर पर बाउंसरों के पुलिस वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए हैं। जिन बाउंसरों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं होगा, उन्हें सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। एसएसपी ने सुरक्षा एजेंसी को साफ तौर पर निर्देशित किया है कि स्टेडियम के अंदर वे दर्शकों के साथ किसी तरह से मारपीट नहीं करें। अगर कोई दर्शक गड़बड़ी करता है, तो बाउंसरों को इसकी जानकारी संबंधित क्षेत्र में तैनात पुलिस जवान तथा अफसर को देने निर्देश दिए हैं। नवा रायपुर एएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि, मैच में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पिछली बार स्टेडियम के आस-पास जिन खाली जगहों से लोग स्टेडियम के अंदर प्रवेश कर गए थे। उन खाली जगहों में ग्रिल लगाई गई हैं। साथ ही दर्शक मैदान के अंदर प्रवेश नहीं कर सके, इसके लिए भी अलग से सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

टिकट ब्लैक पर नजर

पुलिस इंटरनेट मीडिया और अन्य माध्यमों से टिकट ब्लैक मार्केटिंग पर भी सतर्क है। दिसंबर में 10 से अधिक लोगों को पुलिस ने टिकट ब्लैक करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस बार टिकटों की कड़ी जांच और ब्लैक मार्केटिंग रोकने निर्देश दिए गए हैं। मैच शुरू होने के दो दिन पूर्व तक 45 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। अब ऑनलाइन प्लेटफार्म पर टिकट नहीं मिल रहा है। ऐसे में मैच के दिन टिकट ब्लैक करने वाले कमी का फायदा उठाते हुए ब्लैक में टिकट बेच सकते हैं।

राजमिस्त्री प्रशिक्षण से सशक्त हुए अकुशल श्रमिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा जिले में विकास और स्वरोजगार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मनरेगा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 'प्रोजेक्ट उन्नति' के अंतर्गत आयोजित 30 दिवसीय आवासीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर ने सफल रहे 30 प्रशिक्षणार्थियों को 'राजमिस्त्री' का प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एसबीआई-आरसेटी के सहयोग से 23 दिसंबर 2025 को शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के 30 अकुशल श्रमिकों का चयन किया गया था। इस एक माह की अवधि में श्रमिकों को आवास निर्माण की आधुनिक तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण निर्माण पद्धति, सामग्री प्रबंधन, लागत नियंत्रण और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का गहन सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत आयोजित मूल्यांकन परीक्षा में सभी 30 प्रतिभागियों ने सफलता प्राप्त कर अपनी दक्षता सिद्ध की।

प्रमाण पत्र वितरण समारोह के दौरान जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित होने वाले घरों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

अब जिले में स्थानीय प्रशिक्षित राजमिस्त्री उपलब्ध होंगे, जिससे बाहरी श्रमिकों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने आगे बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले इन हितग्राहियों को 7,830 रुपये का प्रशिक्षण भत्ता भी प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा।

विकास को मिलेगी नई रफ़्तार

इस पहल से जिले में अब कुशल जनशक्ति की कमी दूर होगी। प्रशिक्षित राजमिस्त्री अब स्वयं का रोजगार सृजित करने के साथ-साथ अन्य ग्रामीण परिवारों के आवास निर्माण में सहयोग कर अपनी आय बढ़ा सकेंगे। प्रशासन की इस सकारात्मक पहल को ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

चोरों ने 70 फीट लोहे की रेलिंग काटकर किया पार

कोरबा। कोरबा शहर के ढोढ़ीपारा वार्ड में रशियन हॉस्टल के पास नहर के ऊपर पानी की पाइपलाइन के लिए बने लोहे के पुल को कबाड़ चोरों ने निशाना बनाया। चोर करीब 70 फीट लंबी रेलिंग को गैस कटर से काटकर ले गए। घटना का पता चलने पर वार्ड पार्षद लक्ष्मण श्रीवास ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। सीएसईबी चौकी पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया, जहां लोहे के एंगल कटे हुए मिले। इसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शहर में लगातार बढ़ती कबाड़ चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कबाड़ कारोबारी मुकेश साहू और रवि साहू पर भी कार्रवाई की है। उनके गोदाम सील कराए गए हैं और प्रयुक्त वाहनों को जब्त किया गया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। रिंग रोड नंबर 1 कुशालपुर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सोमनाथ लतेर 42 वर्ष बोरियाखुर्द टिकरापारा का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनवाय 5015 से कहीं जा रहा था, तभी कुशालपुर के पास ट्रक क्रमांक सीजी 17 एलए 7208 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे सोमनाथ की मौत हो गई। मामले में पुरानी बस्ती पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ट्रक जब्त कर चालक के खिलाफ कार्रवाई की है।

दो अलग-अलग क्षेत्र से सूने मकानों में चोरी, जुर्म दर्ज

रायपुर। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से अज्ञात चोर ने सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों रुपए का सामान पार कर दिया। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामला डीडीनगर थाना क्षेत्र का है। जहां श्रीरामनगर न्यू चंगोराभाठा निवासी प्रार्थी चंद्रकांत भंवर ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर सहित नकदी 20 हजार रुपए पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती 45500 रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में वार्ड 6 डब्ल्यूआरएस कालोनी शिवा नगर निवासी प्रार्थी होरी पाल ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 5200 सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर जुआ-सट्टा खिलाने वाले 7 गिरफ्तार

बाजार में चल रहा था खुलेआम सट्टा, 23 हजार नकद और 7 मोबाइल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग पुलिस ने मोबाइल व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर जुआ-सट्टा खेलने और खिलाने वालों के खिलाफसख्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग प्रकरणों में कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन और जुआ-सट्टा की 23 हजार रुपए की नगद रकम बरामद की गई है। सभी आरोपियों को छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, 20 जनवरी 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना भिलाई नगर क्षेत्र अंतर्गत सिविक सेंटर भिलाई में मुन्ना जूस कार्नर के पास कुछ लोग मोबाइल व्हाट्सऐप के माध्यम से जुआ-सट्टा खेल रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और संदेही नरेश देवांगन को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और 3,000 रुपए नगद सट्टा रकम बरामद की गई।

वहीं मौके पर मौजूद चिण्टू कुमार के पास से भी एक मोबाइल फोन और 5,000 रुपए नगद सट्टा राशि मिली। इस तरह कुल 8,000 रुपए नगद और 2 मोबाइल फोन जब्त किए गए। इस मामले में थाना भिलाई नगर में अपराध दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

मार्केट में चल रहा था जुआ

इसी प्रकार दूसरी कार्रवाई में सेक्टर-06 सी मार्केट भिलाई में जुआ-सट्टा खिलाने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी। यहां से कृष्णा जी प्रसाद उर्फ गोलू, भीष्म कुमार देवांगन, दीपक कुमार, गिरधर रेड्डी और संजय सेनापति को मौके से पकड़ा गया।

इनके कब्जे से 5 मोबाइल फोन, 15,000 रुपए नगद और सट्टा नंबर लिखी हुई कॉपी बरामद की गई। इस मामले में थाना भिलाई नगर में अपराध दर्ज कर सभी आरोपियों को धारा 6 व 7 के तहत गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध जुआ-सट्टा के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग-भिलाई के रहने वाले हैं आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों में नरेश देवांगन (44) सेक्टर-06 भिलाई, चिण्टू कुमार (37) रिसाली नेवई, कृष्णा जी प्रसाद उर्फ गोलू (56) सेक्टर-04 भिलाई, भीष्म कुमार देवांगन (48) सेक्टर-07 भिलाई, दीपक कुमार शंकर नगर दुर्ग, गिरधर रेड्डी सेक्टर-10 भिलाई और संजय सेनापति शांति नगर सुपेला शामिल हैं।

नेशनल हाईवे-30 पर दर्दनाक हादसा आमने-सामने टकराए दो ट्रक, तीन की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिले में नेशनल हाईवे-30 पर गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम रतेसरा के पास करीब सुबह 3 बजे तेज रफ्तार में आ रहे दो ट्रक आमने-सामने भिड़ गए। इस भयावह टक्कर में ट्रक में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसा इतना गंभीर था कि दोनों ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर के बाद हाईवे पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

घटना की जानकारी मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम और चारामा पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाने का कार्य किया जा रहा है। हादसे के कारण नेशनल हाईवे 30 पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग गया था।

पुलिस और प्रशासन की टीम ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त ट्रकों को जेसीबी की मदद से हटवाया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका।

केबिन काटकर निकाला गया ड्राइवर का शव

हादसे के बाद ट्रकों में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। ट्रक के केबिन में ड्राइवर बुरी तरह फंसा हुआ था, जेसीबी और कटर मशीन की मदद से बाहर निकाला गया। इसी स्थान पर दो दिन पहले भी एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने इस इलाके में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मृतकों की पहचान की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस की एंड टू एंड कार्यवाही में एक गांजा तस्कर पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जिला पुलिस द्वारा अवैध गांजा परिवहन एवं बिक्री के मामले मे एंड टू एंड की कार्यवाही के तहत एक आरोपी को महासमुंद से गिरफ्तार किया है तथा न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। मामले में पूर्व मे एक नाबालिग समेंत 2 आरोपी पकड़े जा चुके है।

बता दें कि विजय कुमार पाण्डेय पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के द्वारा एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण मे एंड टू एंड की कार्यवाही करने निर्देशित किया गया था जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन पर क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ बिक्री एवं परिवहन करने के प्रकरण थाना शिवरीनारायण के अपराध क्रमांक 09/2026 धारा 20 (बी), 29 एन.डी.पी.एस. मे एंड टू एंड की कार्यवाही करते आरोपी विमल कुमार पिता छत्रपती कुमार उम्र 23 वर्ष निवासी बानोभाठा थाना बलौदा जिला महासमुद (छ.ग.) को उसके निवास जिला महसमुंद से पकड़ कर पुछताछ किया जिसने बताया कि परिचित के पुलिसकर्मी चंद्रशेखर साहू को कंटामाल थाना लाईसिंघा जिला बलांगीर उड़ीसा बुलाकर आयुष के मोबाईल में बातकर गांजा मंगाया तब आयुष द्वारा एक थैला सिगनेचर पान मसाला लिखा हुआ में 07 पैकेट एवं 08 पैकेट के अलग-अलग भरा हुआ कुल 15 पैकेट मादक पदार्थ गांजा वजन लगभग 15 किग्रा. को लेकर कंटामाल थाना लाईसिंघा आया जो उक्त गांजा को चंद्रशेखर साहू को देकर फोन पे के माध्यम से पैसा लेना बताया गया एवं आरोपी विमल कुमार के कब्जे से एक मोबाईल जप्त किया कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

जिसपर पुलिस ने पूर्व मे आरोपी चंद्रशेखर साहू साकिन सलखण्ड थाना बसना जिला महासमुंद, अखिल कुमार जायसवाल एवं एक नाबालिग बालक को पकड़ा था जिनके कब्जे से15.700 किग्रा गांजा,घटना में प्रयुक्त ईको कार एवं 02 नग मोबाईल बरामद कर विधिवत कार्यवाही किया गया था।

पत्नी ने पति की तोड़ी उंगली, पत्नी पर अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पत्नी ने पति की उंगली तोड़ दी। डंडे से मारा और बच्चों सहित सारा सामान लेकर चली गई। मामला अब थाना तक पहुंच चुका है।

मामला दर्री थाना क्षेत्र का है। दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक यहां शैलेन्द्र कुमार किराये के मकान में रहता है व एनटीपीसी में ठेका कंपनी में कार्य करता है। उसके जुड़वा बच्चे हैं। वह रात्रि लगभग 7.30 बजे एनटीपीसी गेट के पास अपने दोस्त के साथ था। उसी समय पत्नी ने फोन कर घर बुलाया। दोस्तो के साथ घर पहुँचने पर उसने 10 माह की बेटी को गोद में देकर कहने लगी कि मैं दोनों बच्चों को एक साथ नहीं पाल सकती हूँ। तुम घर में खाना बनाने वाली, बर्तन धोने वाली बाई को रखों नहीं तो मैं अपने मायके चली जाउंगी। जिसका विरोध करते हुए पति ने

कहा कि मैं ठेका कंपनी में काम करता हूँ इतना खर्चा नहीं उठा पाउंगा। पहले मम्मी-पापा के साथ थे तब तुमको आराम था। मम्मी-पापा से मारपीट करके घर से निकल कर यहां किराये के मकान में हो, तो अच्छा लग रहा है।

यह बातें सुनकर भड़कते हुए गालियां देकर धक्का दे दिया। बेटी को संभाल ही रहा था तो पत्नी ने पति के बाएं हाथ की चीनी उंगली को मोड़कर तोड़ दी और डंडे से पीठ में मारपीट की। उस समय दोनो दोस्त बीच-बचाव किया। जब पति शिकायत करने दर्री थाना गया तब अस्पताल में एक्स-रे कराया गया, जिसमें चीनी अंगुली के हड्डी को बैठाकर कच्चा प्लास्टर किया गया।

उसी दौरान सास भारती बाई राठौर घर आकर पत्नी सहित दोनों बच्चों को लेकर चली गई और पति के सामान को छोड़कर घर का लगभग सारा सामान जैसे-किचन का पूरा बर्तन, गैस चूल्हा, सिलेन्डर, बेडशीट, कम्बल, अपना गहना लेकर चली गई है। प्रार्थी ने बताया कि उसकी पत्नी अत्यधिक गुस्सैल स्वभाव की है। बात-बात पर लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौच करती है। आत्महत्या करके घरवालों को फंसाने की धमकी देती है। माता-पिता के साथ भी कई बार हाथापाई कर चुकी है, जिसकी शिकायत थाना दर्री में की है। शैलेन्द्र की रिपोर्ट पर आरोपिया पत्नी के विरुद्ध धारा 115(2), 296 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

दुर्ग में पार्षद और ज्वेलरी व्यापारी के बीच मारपीट, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से मारपीट का एक मामला सामने आया है, जहां जामुल नगर पालिका परिषद के बीजेपी पार्षद और एक ज्वेलरी व्यापारी के बीच पुरानी रंजिश को लेकर जमकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने के आरोप लगाए और जामुल थाने में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई गई।

घटना सोमवार 20 जनवरी की बताई जा रही है। पार्षद दीपक गुप्ता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि ठेठवार मोहल्ला में व्यापारी केशव सोनी ने उनका रास्ता रोककर गाली-गलौज की और राजनीतिक जीवन खत्म करने की धमकी दी। पार्षद के अनुसार, लकड़ी के डंडे से उनके सिर पर हमला किया गया, जिससे सिर, बाईं आंख और हाथ की उंगली में चोट आई है।

वहीं, ज्वेलरी व्यापारी केशव सोनी ने भी पार्षद दीपक गुप्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। केशव का आरोप है कि धान बेचकर लौटते समय उन्हें रोका, पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज की और प्लास्टिक के पाइप से हमला किया। इसके बाद पार्षद ने अपने भाई को बुलाकर उनके साथ मिलकर मारपीट की।

मामले को लेकर जामुल थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

रायगढ़ में रेप के आरोपी को 20 साल की सजा

शादी का झांसा देकर बनाए संबंध, 5 माह की गर्भवती हुई, कोर्ट ने सुनाई सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला कोर्ट ने रेप के आरोपी को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। आरोपी कार्तिक जायसवाल (25 साल) ने 16 साल की नाबालिग को शादी का झांसा दिया और बहलाकर अपने घर ले गया। जहां उसने रेप की वारदात को अंजाम दिया।

नाबालिग 5 महीने की गर्भवती हुई तो आरोपी ने उससे शादी करने से मना कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने थाने में रिपोर्ट लिखाई। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। कोर्ट ने 20 साल कैद की सजा दी है।

बहला-फुसलाकर बुलाया घर

अभियोजन पक्ष के अनुसार मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि 16 वर्षीय पीड़िता ने 7 दिसबंर 2024 को खरसिया थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके मोहल्ले में रहने वाला कार्तिक जायसवाल (25 साल) निवासी

जोबी उसे दो साल से पसंद करता हूं और शादी करूंगा कहता था।

जुलाई 2024 की रात 12 बजे बहला-फुसलाकर अपने पुराने घर में बुलाया। इसके बाद जब वह उसके पुराने घर पहुंची, तो शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ उसने शारीरिक संबंध बनाया।

इसके बाद वह पीड़िता अपने परिजनों के साथ कोरबा चली गई थी। वहां भी कार्तिक जायसवाल पहुंचकर उसके माता-पिता के काम में जाने के बाद उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा।

पीड़िता 5 माह की गर्भवती हुई

ऐसे में कार्तिक जायसवाल की तरफ से नाबालिग 5 माह की गर्भवती हो गयी। इस बीच जब नाबालिग ने शादी की बात कही, तो कार्तिक ने उससे शादी करने से साफ इंकार कर दिया।

जिसके बाद पीड़िता ने खरसिया थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ अपराध कायम कर प्रकरण न्यायालय में पेश किया।

20 साल की सजा और अर्थदंड से दंडित

जहां न्यायालय FTSC (पॉक्सो) के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र साहू ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल का सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर चार माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगताने को भी कहा गया है। इस मामले में अपर लोक अभियोजक मोहन सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

नारायणपुर में 2 धर्मांतरित परिवार के 16 लोगों से मारपीट, घायल अस्पताल में भर्ती

घर तोड़े, राशन जलाया, गांव में तनाव का माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले में 2 धर्मांतरित परिवार के करीब 15 से 16 लोगों के साथ मारपीट हुई है। 21 जनवरी की सुबह अचानक पहुंची भीड़ ने इनके घर में तोड़फोड़ की।

सामान को बाहर फेंका, राशन तक जला दिया है। मारपीट में घायल हुए कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मामला ओरछा थाना क्षेत्र का है।

महिलाओं और बच्चों को घर से निकालने का आरोप

जानकारी के मुताबिक, मामला अबूझमाड़ के इकनार गांव का है। एक दिन पहले सुबह 8 से 9 बजे के करीब गांव के ही कुछ लोगों की भीड़ थी धर्मांतरित 2 परिवार

वालों के घर पहुंची। परिवार के सदस्यों का कहना है कि उनके साथ मारपीट की गई। भीड़ ने पुरुषों के साथ ही महिलाओं और बच्चों को भी घर से निकाला। घर में तोड़फोड़ की। सारा सामान बाहर निकालकर फेंक दिया। दस्तावेज और राशन में आग लगा दी। पिटाई की। साथ ही गांव छोड़ने को कहा। पीड़ितों का कहना है कि चर्च न जाने की हिदायत दी गई है।

वहीं इस घटना में परिवार के कुछ सदस्य घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एक युवक का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। इस घटना के बाद का वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। धर्मांतरण के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मारपीट की घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। वहीं पीड़ित परिवार के कुछ सदस्य जो घायल हैं वे अस्पताल में भर्ती हैं जबकि बच्चों समेत महिलाएं घर के आंगन में ही बैठी हुई हैं। इस मामले को लेकर पुलिस की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।

मदिरा के अवैध निर्माण व विक्रय पर बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी सुनील कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध महुआ मदिरा निर्माण तथा विक्रय पर बड़ी कार्रवाई की गई। आबकारी जिला स्तरीय टीम द्वारा ग्राम पलसापाली, थाना बलौदा एवं ग्राम सुखापाली, थाना सरायपाली तथा ग्राम पैकिन, थाना सिंघोड़ा क्षेत्र में संघन जांच करते हुए गैर जमानती के 08 प्रकरण, 01 जमानती प्रकरण कायम कर कुल 140 लीटर महुआ शराब तथा 3590 कि.ग्रा. महुआ लाहन बरामद किया गया।

आरोपियों को छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) 34(2), 59(क) के तहत न्यायालय से रिमांड लेकर जेल भेजा गया।

प्रमुख खबरें

पहाड़ी कोरवा परिवारों को 3 महीने से नहीं मिला राशन

कोरबा। विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत नकिया के पहाड़ी कोरवा परिवारों को 3 महीने से राशन नहीं मिल रहा है। सोमवार को जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत को अपनी समस्या बताई। उनका कहना था कि दुकान संचालक फिंगर प्रिंट लेने के बाद राशन नहीं दे रहा है। कलेक्टर ने दो दिनों के भीतर राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। पहाड़ी कोरवाओं ने बताया कि राशन नहीं मिलने के कारण बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुकान संचालक राशन नहीं होना बताकर वापस भेज देता था। इसकी वजह से ही उन्हें 70 किलोमीटर दूर कलेक्टर जनदर्शन में आना पड़ा।

मारपीट की आरोपी शिक्षिका सस्पेंड, शिक्षा विभाग सख्त

बिलासपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भरारी में छात्रों के साथ मारपीट के मामले में शिक्षा विभाग ने कड़ा कदम उठाया है। जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित महिला शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जिला शिक्षा अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर संयुक्त संचालक द्वारा की गई है। शिक्षिका विजय लक्ष्मी गुप्ता पर छात्रों को प्लास्टिक और लोहे के पाइप से पीटने के गंभीर आरोप लगे थे। शिकायत मिलने के बाद शिक्षा विभाग ने पूरे मामले की जांच कराई, जिसमें आरोप सही पाए गए। जांच के दौरान शिक्षिका ने भी बच्चों की पिटाई करने की बात स्वीकार की।

बकावंड के शिक्षक खगेंद्र पाढ़ी को एजुकेशन हीरो का खिताब

बकावंड। विकासखंड बकावंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढोढरेपाल के शिक्षक खगेंद्र पाढ़ी ने नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य कर विकासखंड को गौरवान्वित किया है। पाढ़ी द्वारा विनोबा ऐप के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल, नई शिक्षा पद्धति, मॉडल मेकिंग एवं ड्रामा जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ते हुए राज्य स्तरीय प्रदर्शन किया गया। इन गतिविधियों के वीडियो प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर उन्होंने प्रभावी शिक्षण का उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें पोस्ट ऑफ द मंथ का सम्मान प्राप्त हुआ।

शहीद शिरोमणि गैंदसिंह का 201वां शहादत दिवस

जनजातीय शौर्य और बलिदान की साक्षी रही है छत्तीसगढ़ की धरती : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज के तत्वावधान में साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में आयोजित शहीद शिरोमणि गैंदसिंह के 201वें शहादत दिवस एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने महान जनजातीय नायक एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत शहीद गैंदसिंह का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली और समृद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि देश में स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत भले ही वर्ष 1857 से मानी जाती है, किंतु उससे बहुत पहले ही छत्तीसगढ़ की धरती पर जनजातीय क्रांतियों की गूंज सुनाई देने लगी थी। महान क्रांतिकारी शहीद गैंदसिंह अंग्रेजी हुकूमत से संघर्ष करते हुए वर्ष 1825 में शहीद हुए, और उस कालखंड में भी आदिवासी समाज ने आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय ऐतिहासिक है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना एवं प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय समाज के कल्याण की नई इबारत लिखी जा रही है। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता से किया जा रहा है। इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे पुरखों ने शिक्षा को विकास का मूलमंत्र बताया है। शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय प्रगति की है और आज प्रदेश में आईआईएम, आईआईटी और एम्स जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान संचालित हो रहे हैं। उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों से शिक्षा को बढ़ावा देने, शासन की योजनाओं की जानकारी समाज तक पहुंचाने तथा युवाओं को अपने अधिकारों और लक्ष्यों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अंचल में नक्सलवाद लंबे समय तक विकास में सबसे बड़ी बाधा रहा है, किंतु डबल इंजन सरकार के संकल्प और हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से इस बाधा को दूर किया जा रहा है। वर्षों से वंचित इस अंचल में अब विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र माहला, महामंत्री गिरवर सिंह ठाकुर, महेश गागड़ा सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गैंद सिंह ने संसाधनों की लूट और आदिवासियों के शोषण के खिलाफ किया संघर्ष - टंकराम

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि शहीद गैंदसिंह छत्तीसगढ़ के पहले वीर शहीद जननायक थे, जिन्होंने वर्ष 1824-25 में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा संसाधनों की लूट और आदिवासियों के शोषण के खिलाफसाहसिक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के जनजातीय नायकों का योगदान अतुलनीय रहा है।

नया रायपुर में बनेगा शहीद गैंद सिंह चौक

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद गैंदसिंह के सम्मान में नया रायपुर में चौक के नामकरण एवं मूर्ति स्थापना, चंगोराभाटा स्थित समाज के सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार, बालोद जिले के देवरी, कांकेर जिले के मरकाटोला, दानीटोला, नगरी, डोंगरगांव एवं बस्तर जिले के भानपुरी तथा करूटोला में हल्बा समाज के सामाजिक केंद्रों के निर्माण हेतु प्रत्येक स्थान के लिए 10-10 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम कितूर में रंगमंच निर्माण तथा चपका बस्तर में श्रीराम मंदिर के जीर्णोद्धार की भी घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा की गई।

छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर हुईं 14 जनजातीय क्रांतियां ट्राइबल म्यूजियम में संरक्षित है इनके शौर्य की गाथाएं

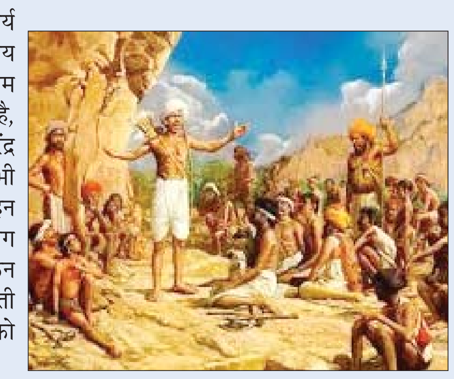

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक-दो नहीं बल्कि कुल 14 जनजातीय क्रांतियां हुईं, जिन्होंने अंग्रेजों की सत्ता की नींव हिला दी। यह धरती शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदसिंह और वीर गुण्डाधुर जैसे महान जननायकों की भूमि रही है। दुर्भाग्यवश इन वीरों और जनजातीय नायकों को लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय नायकों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने का कार्य किया है। छत्तीसगढ़ में हुई 14 जनजातीय क्रांतियों पर आधारित ट्राइबल म्यूजियम नया रायपुर में निर्मित किया गया है, जिसका लोकार्पण स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस संग्रहालय में इन सभी क्रांतियों का सचित्र विवरण एवं गहन जानकारी प्रस्तुत की गई है। सभी लोग इस म्यूजियम का अवश्य अवलोकन करें, ताकि छत्तीसगढ़ की बलिदानी धरती में जनजातीय नायकों के योगदान को समझा जा सके।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदाय ने वन अधिकारों के हनन व सामाजिक न्याय के खिलाफ लगातार किया सशस्त्र विद्रोह

छत्तीसगढ़ में जनजातीय विद्रोहों की एक लंबी और महत्वपूर्ण श्रृंखला रही है, जो ब्रिटिश और मराठा शासन के शोषण, वन अधिकारों के हनन और सामाजिक-आर्थिक अन्याय के खिलाफ थे; इनमें हल्बा विद्रोह (1774-77), परलकोट विद्रोह (1824-25), तारापुर विद्रोह (1842-54), मेरिया विद्रोह (1842-63), लिंगागिरी विद्रोह (1856-57), कोई विद्रोह (1859), और भूमकाल विद्रोह (1910) प्रमुख हैं, जिनमें वीर गुंडाधुर जैसे कई आदिवासी नायकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रमुख जनजातीय विद्रोह

हल्बा विद्रोह (1774-77): बस्तर के हलबा जनजाति द्वारा मराठों के खिलाफ, जिसने चालुक्य वंश के पतन का मार्ग प्रशस्त किया।

परलकोट विद्रोह (1824-25): परलकोट के गेंदासिंह और अन्य जनजातियों द्वारा ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ।

तारापुर विद्रोह (1842-54): बस्तर के मुरिया जनजाति द्वारा जनजातीय अधिकारों और वनों की रक्षा के लिए।

मेरिया विद्रोह (1842-63): नरबलि प्रथा (मेरिया) को रोकने और शोषण के खिलाफ बस्तर में गोंड, मुरिया और मारिया जनजातियों द्वारा।

कोई विद्रोह (1859): ब्रिटिश सरकार द्वारा वन ठेकेदारों को लकड़ी काटने का ठेका देने के विरोध में कोया जनजाति का विद्रोह।

भूमकाल विद्रोह (1910): बस्तर का सबसे बड़ा जनजातीय विद्रोह, जिसे वीर गुंडाधुर के नेतृत्व में जंगल कानूनों और शोषण के खिलाफ लड़ा गया, जिसमें इंद्रावती नदी के तट पर हजारों लोग एकजुट हुए।

अन्य महत्वपूर्ण घटनाएँ

सोना खान विद्रोह (1819): शहीद वीर नारायण सिंह के पिता रामराय (बिंजवार जनजाति) द्वारा सोना खान में अंग्रेजों के खिलाफकिया गया विद्रोह।

1857 का विद्रोह: बस्तर और सरगुजा सहित विभिन्न क्षेत्रों के आदिवासियों ने इसमें सक्रिय भूमिका निभाई।

ये विद्रोह छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों के संघर्ष, संस्कृति और स्वाभिमान के प्रतीक हैं, जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का कड़ा प्रतिरोध किया।

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की सुदूर डबलिन में गूंज, प्रवासी भारतीयों की प्रस्तुतियों को सराहा गया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आयरलैंड की राजधानी डबलिन में भारत की सांस्कृतिक विविधता की एक सशक्त झलक देखने को मिली, जब स्टेट कल्चरल इवेंट सीरीज़ के तहत भारतीय दूतावास, डबलिन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य पर केंद्रित भव्य सांस्कृतिक आयोजन का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आयरलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्घाटन आयरलैंड में भारत के राजदूत अखिलेश मिश्रा द्वारा किया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं और राज्य की विशिष्ट पहचान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत की विविधता को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करते हैं।

आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ पर आधारित एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें राज्य की कला, संस्कृति, परंपरा और विकास यात्रा को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के पारंपरिक हस्तशिल्प की प्रदर्शनी ने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जहाँ राज्य की कारीगरी की बारीकी और सौंदर्य को सराहा गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुत लोक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की आत्मा को आयरलैंड की धरती तक पहुँचा दिया और दर्शकों से भरपूर प्रशंसा प्राप्त की।

कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों के साथ हुआ, जिसने उपस्थित अतिथियों को राज्य की स्वादिष्ट पाक-परंपरा से परिचित कराया। कुल मिलाकर यह आयोजन छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल साबित हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि डबलिन में आयोजित छत्तीसगढ़ केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्टेट कल्चरल इवेंट सीरीज के अंतर्गत भारतीय दूतावास, डबलिन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक विविधता और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। उन्होंने इस आयोजन के लिए भारतीय दूतावास और आयरलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला, हस्तशिल्प और लोक परंपराएँ राज्य की पहचान का मूल आधार हैं। आयरलैंड में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ की हस्तकला, पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने सराहा, यह राज्य के कलाकारों और कारीगरों के लिए प्रेरणादायी है। ऐसे आयोजनों से पर्यटन, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को भी वैश्विक स्तर पर नई संभावनाएँ मिलती हैं। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की कला-संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

'नियद नेल्लानार' से बदला जीवन

छिंद की मिठास से बदल रही दीदियों की किस्मत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वनांचल क्षेत्रों में अब तक छिंद के पेड़ों का उपयोग केवल रस (पेय) के रूप में किया जाता रहा है, जिससे ग्रामीणों को सीमित आय ही प्राप्त होती थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुकमा जिले के कोंटा विकासखण्ड के ग्राम सामसेट्टी में इस परंपरागत संसाधन को आजीविका का सशक्त माध्यम बनाने की अभिनव पहल की गई है।

'नियद नेल्ला नार' कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के माध्यम से महिलाएं अब छिंद के रस से गुड़ का निर्माण कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

सामान्यत: बस्तर एवं सुकमा अंचल में आजीविका का मुख्य साधन धान की खेती एवं लघु वनोपज संग्रहण रहा है। धान की एकमात्र फसल होने के कारण वर्ष के शेष समय रोजगार के अवसर सीमित रहते थे। इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए छिंद गुड़ निर्माण का नवाचार प्रारंभ किया गया। ग्राम सामसेट्टी की दंतेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह की 10 दीदियों ने इस पहल को अपनाया और दंतेवाड़ा से आए विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस पहल से प्रति परिवार औसतन 6 से 7 हजार रुपये की अतिरिक्त मासिक आय होगी। औषधीय गुणों से भरपूर छिंद गुड़ की बाजार में कीमत लगभग 350 रुपये प्रति किलो है। अनुपयोगी माने जाने वाला छिंद अब ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बन रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय संसाधनों को आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सकता है।

सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता से ओतप्रोत थे श्रीमंत के विचार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में स्थापित महान संत, समाज सुधारक और सांस्कृतिक चेतना के प्रणेता श्रीमंत शंकरदेव के विचारों, दर्शन और साहित्य को समर्पित शोध संस्थान का भव्य लोकार्पण गरिमामय समारोह में सम्पन्न हुआ।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में में राज्यपाल ने कहा कि श्रीमंत शंकर देव के विचार आज भी समाज को जोड़ने, सामानता स्थापित करने और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं।

श्री डेका ने कहा कि इस शोध पीठ की स्थापना उत्तर पूर्वी भारत और मध्य भारत की सांस्कृतिक विरासत को अकादमी एवं शोध के स्तर पर जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह शोध पीठ भारत की संत परंपरा, भक्ति आंदोलन और सामाजिक सुधारों पर केंद्रित अध्ययन का सशक्त केंद्र बनेगी। ऐसे अकादमिक प्रयास देश की सांस्कृतिक एकता को और मजबूत करते हैं। शासन ने इस शोध पीठ के संचालन हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ रूपये दिए गए जिसके लिए मुख्यमंत्री धन्यवाद के पात्र हैं।

राज्यपाल ने कहा कि श्रीमंत शंकर देव ने समाज सुधारक, शिक्षाविद, कलाकार, नाटककार, नाट्य निर्देशक, चित्रकार, साहित्यकार, गीतकार, संगीत और वैष्णव धर्म के प्रवर्तक व प्रचारक के रूप में ख्याति अर्जित की है। उन्होंने जाति, वर्ग और धर्म से ऊपर उठ कर समरस समाज की कल्पना की। उन्होंने समानता, करूणा और उदारता पर आधारित सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया। अंकिया नाट और बोरगीत भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। उनके विचारों ने असमिया समाज को एक सूत्र में पिरोया और सामाजिक चेतना को नई दिशा दी।

मुख्य वक्ता डॉ कृष्ण गोपाल जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा असम राज्य विविधताओं से भरा हुआ है। यहां विविध प्रकार की जनजाति भौगालिक, नदी, पहाड़, जंगल, घने वन उपस्थित है। जिस कारण यहां हजारों वर्षों से दूर दूर विविध जनजाति निवास करते है। इन जनजातियों को एक सूत्र में बांधने का महत्वपूर्व कार्य श्रीमंत शंकर देव ने किया। उन्होंने भक्ति के माध्यम से किया लोगों को जोड़ा।

वे भक्ति आंदोलन के प्रमुख व्यक्तिव है उन्होंने भक्ति के साहित्य का लेखन किया, नाट्य, गायन खड़े प्रशिक्षण दिया। गांव गांव में नाम घर की स्थापना किए। आज असम के हर गांव है जिसे नाम स्थापित है। भक्ति, संस्कृति एवं सामाजिक सद्भाव का घर कहलाता है। उन्होंने श्रीमंत शंकर देव के योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला।

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव ने शिक्षा को केवल साक्षरता तक सीमित न रखकर उसे संस्कार और संस्कृति से जोड़ा। यह शोध संस्थान केवल भवन नहीं, बल्कि विचारों की कार्यशाला बनकर उभरेगा। यहाँ से निकलने वाले शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पहचान दिलाएंगे।

500 साल बाद श्रीमंत शंकरदेव जी के सपनों को साकार कर रहे प्रधानमंत्री मोदी : साय

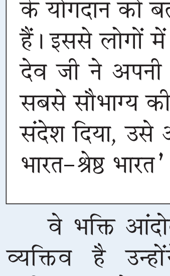

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शंकरदेव जी का कार्यक्षेत्र भले ही असम था, लेकिन उनके द्वारा सामाजिक जागरण का जो कार्य किया गया, उसका प्रभाव संपूर्ण देश पर पड़ा। श्रीमंत शंकर देव जी द्वारा रचित साहित्य, नाटक, भजन में भारतीय संस्कृति का उद्घोष है। हमारा देश अपनी एकता और अखंडता के लिए जाना जाता है। इसके पीछे श्री शंकरदेव जी जैसे भारत माता के सपूत हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश की संस्कृति को समर्पित किया। वर्तमान और नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के योगदान को बताकर हम एक सक्षम और समृद्ध भारत बना सकते हैं। इससे लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार होता है। श्री शंकर देव जी ने अपनी एक रचना में कहा कि भारत भूमि में जन्म लेना सबसे सौभाग्य की बात है। उन्होंने 500 वर्ष पहले एक भारत का जो संदेश दिया, उसे आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का नारा देकर साकार कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950